

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने वर्ष 2024-25 में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा, जो प्राथमिक रूप से अच्छी ऋण वृद्धि से प्रेरित है। उन्होंने आस्ति गुणवत्ता और पूंजी पर्याप्तता जैसे मजबूत प्रमुख संकेतकों को दृढ़ बनाए रखा, हालांकि आस्तियों पर प्रतिलाभ में कुछ कमी आई। आवास वित्त कंपनियों ने इसी अवधि के दौरान अपनी आस्ति गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ दोहरे अंकों में ऋण वृद्धि का प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों के तुलन पत्र मजबूत रहे और उन्होंने अच्छी ऋण वृद्धि दिखाई।

परिचय

VI.1 गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (एनबीएफआई) भारत की वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण घटक है। एनबीएफआई में, रिजर्व बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी),¹ आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी),² अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई)³ और एकल प्राथमिक व्यापारियों (एसपीडी) का विनियमन करता है।

VI.2 एनबीएफसी वे वित्तीय संस्थाएं (एफआई) हैं जो छोटे व्यवसायों, सूक्ष्म वित्त उधारकर्ताओं और आबादी के वंचित वर्गों सहित विभिन्न क्षेत्रों और ग्राहक समूहों को ऋण प्रदान कर बैंकिंग क्षेत्र को अनुपूरक सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एनबीएफसी वित्तीय समावेशन और भारत के वित्तीय परितंत्र की वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उभरे हैं। एचएफसी विशेष एफआई हैं जो व्यक्तियों, बिल्डरों और डेवलपर्स के लिए आवास ऋण और संबंधित वित्तपोषण सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एआईएफआई शीर्ष लेयर के वित्तीय संस्थान हैं जो कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई); अवसरचनना; अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आवास जैसे क्षेत्रों को दीर्घावधिक विकास-वित्त प्रदान करते हैं। प्राथमिक व्यापारी

(पीडी) ऐसे एफआई हैं जो सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) बाजार में हामीदार (अंडरराइटर) और बाजार निर्माता के रूप में कार्य करते हैं (चार्ट VI.1)।

VI.3 मार्च 2025 के अंत में, एनबीएफसी के तुलन पत्र का विस्तार जारी रहा, जो ऋण और अग्रिमों में मजबूत वृद्धि से प्रेरित है। एनबीएफसी के, पूंजी पर्याप्तता और आस्ति गुणवत्ता, जैसे प्रमुख संकेतक मजबूत स्तर पर बने हुए हैं, हालांकि आस्तियों पर प्रतिलाभ में कुछ कमी आई है। हालांकि एनबीएफसी के कुल उधार में बैंकों से उधार का हिस्सा कम हो गया, तथापि यह अधिक बना रहा। इसी अवधि के दौरान, एचएफसी के तुलन पत्र का भी दोहरे अंकों में विस्तार हुआ। एचएफसी सेगमेंट में एक प्रमुख घटनाक्रम, वर्ष 2024-25 में दो एचएफसी का एनबीएफसी-आईएफसी और एनबीएफसी-आईसीसी में परिवर्तन था। इस क्षेत्र के लाभप्रदता संकेतकों और आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एआईएफआई का समेकित तुलन पत्र मार्च 2025 के अंत तक दोहरे अंकों में बढ़ता रहा, इस प्रकार वे आर्थिक गतिविधियों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वर्ष 2024-25 में, एसपीडी ने, मजबूत पूंजी बफर, सुदृढ़ लाभप्रदता और जी-सेक बाजार में हामीदारी अंकन (अंडरराइटिंग) और चलनिधि प्रदान करने में

¹ हालांकि मर्चेन्ट बैंकिंग कंपनियां, स्टॉक एक्सचेंज, स्टॉक-ब्रोकिंग / सब-ब्रोकिंग के कारोबार में लगी कंपनियां, निधि कंपनियां, वैकल्पिक निवेश फंड कंपनियां, बीमा कंपनियां और चिट फंड कंपनियां एनबीएफसी हैं, लेकिन उन्हें आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत रिजर्व बैंक में पंजीकरण की आवश्यकता से छूट दी गई है।

² वित्त (संख्या 2) अधिनियम, 2019 (2019 का 23) ने राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 में संशोधन किया, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक को एचएफसी के विनियमन के लिए कुछ शक्तियां प्रदान की गईं। एचएफसी को अब विनियामकीय उद्देश्यों के लिए एनबीएफसी की एक श्रेणी के रूप में माना जाता है।

³ पांच एआईएफआई हैं, अर्थात्- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एकिस बैंक), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) और राष्ट्रीय अवसरचनना वित्तपोषण और विकास बैंक (एनबीएफआईडी)।

अधिक क्षमतावान होने के कारण, अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत बनाए रखी।

VI.4 इस अध्याय में वर्ष 2024-25 और 2025-26 की पहली छमाही में एनबीएफआई के प्रदर्शन को शामिल किया गया है। खंड 2 में एनबीएफसी क्षेत्र का आकलन प्रदान किया गया है, जिसमें ऊपरी और मध्य लेयर में स्थित एनबीएफसी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। खंड 3 में एचएफसी के प्रदर्शन की चर्चा की गई है। खंड 4 और 5 में क्रमशः एआईएफआई और पीडी के प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रदान किया गया है। समग्र मूल्यांकन खंड 6 में दिया गया है।

2. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां

VI.5 एनबीएफसी को रिज़र्व बैंक द्वारा स्केल-आधारित विनियमन (एसबीआर) ढांचा⁴ के तहत विनियमित किया जाता है, जिसमें एनबीएफसी के स्केल और प्रणालीगत महत्व के अनुपात में विभेदक विनियम लागू किए जाते हैं। मार्च 2025 के अंत तक⁵, ऊपरी लेयर (एनबीएफसी-यूएल) में 15 एनबीएफसी (चार एचएफसी सहित) की पहचान की गई, जो मध्य लेयर

(एनबीएफसी-एमएल) और आधार लेयर (एनबीएफसी-बीएल) एनबीएफसी की तुलना में सख्त विनियमन के अधीन हैं (चार्ट VI.1)।

VI.6 एनबीएफसी, वित्तीय संस्थाओं का एक विषम समूह है जो विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं जिन्हें वर्गीकरण का आधार भी बनाया जाता है (सारणी VI.1)। भारतीय रिज़र्व बैंक स्व-विनियमन को प्रोत्साहित कर रहा है जो उम्मीद है कि, बेहतर अनुपालन, नवोन्मेष, पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण के लिए सांविधिक ढांचे के अनुपूरक का कार्य करेगा। अक्टूबर 2025 में, आरबीआई ने एनबीएफसी⁶ के लिए एक स्व-विनियामक संगठन को मान्यता दी जो अपने सदस्यों के लिए, आरबीआई द्वारा निर्धारित विनियामक ढांचे के भीतर, अपेक्षित सर्वोत्तम प्रथाएं / मानक / कोड तैयार करेंगे जिन्हें वे स्वैच्छिक रूप से अपनायेंगे।

VI.7 विनियामकीय मोर्चे पर एक उल्लेखनीय घटना डिजिटल ऋण उत्पादों के डिजाइन, वितरण और सर्विसिंग के तरीकों के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा मई 2025 में डिजिटल ऋण निदेश⁷ जारी करना थी। अर्थव्यवस्था में ऋण

चार्ट VI.1: रिज़र्व बैंक के विनियमन के तहत एनबीएफआई की संरचना

(मार्च 2025 के अंत में)

गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (9,382)

अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (5)

आरिस्ट पुनर्निर्माण कंपनियाँ (27)

शीर्ष लेयर (0)

बेहतर होगा कि यह खाली रहे, जब तक कि रिज़र्व बैंक कुछ ऊपरी लेयर के एनबीएफसी की संभावित प्रणालीगत जोखिम में काफी बढ़ोतरी को न पहचान ले।

ऊपरी लेयर (15)

रिज़र्व बैंक द्वारा चिह्नित एनबीएफसी (एचएफसी सहित)। अपनी आरिस्ट आकार के अनुसार शीर्ष दस पात्र एनबीएफसी जो, अन्य कारकों के बावजूद, हमेशा ऊपरी लेयर में रहते हैं।

मध्य लेयर (656)

₹1,000 करोड़ या उससे अधिक की आरिस्ट वाले एनबीएफसी-डी, एनबीएफसी-एनडी; और एसपीडी, आईडीएफ।

आधार लेयर (8,711)

एनबीएफसी-एनडी जिनकी आरिस्ट ₹1,000 करोड़ से कम हैं, पी2पी, एए, एनओएफएचसी, एनबीएफसी जो जनता की निधियों का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं और जिनका कोई कस्टमर इंटरफ़ेस नहीं है।

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संस्थाओं की संख्या (अंतिम) दिखाते हैं।
2. एनबीएफसी, जैसे एनबीएफसी-आईसीसी, एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी-फैक्टर, और एनबीएफसी-एमजीसी; एसबीआर के तहत बताए गए मानक के आधार पर किसी भी लेयर में हो सकते हैं। एनबीएफसी-सीआईसी, एचएफसी, और आईएफसी, ऊपरी अथवा मध्य के लेयर में हो सकते हैं।
3. सरकारी स्वामित्व की एनबीएफसी को या तो आधार या मध्य की लेयर में रखा जाता है।
स्रोत: आरबीआई और एनएचबी।

4 एनबीएफसी को एसबीआर ढांचे के तहत शीर्ष, ऊपरी, मध्य और आधार लेयर में वर्गीकृत किया गया है, जो उनके आकार, कार्य और पाए गए जोखिम स्तर के आधार पर है।

5 31 दिसंबर 2024 तक रिज़र्व बैंक में पंजीकृत एनबीएफसी की सूची के अनुसार।

6 03 अक्टूबर 2025 को एनबीएफसी के लिए स्व-विनियामक संगठन की मान्यता।

7 भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों-ऋण सुविधाएं) निदेश, 2025।

सारणी VI.1 : स्केल-आधारित विनियामकीय फ्रेमवर्क के तहत कार्य के अनुसार एनबीएफसी का वर्गीकरण

क्र.सं.	वर्गीकरण	कार्य	लेयर
1	2	3	4
1.	निवेश और ऋण कंपनी (एनबीएफसी-आईसीसी)	उधार जो; उत्पादक/आर्थिक गतिविधियों की मदद करता है, उपभोग/व्यक्तिगत वित्तपोषण प्रदान करता है और निवेश के लिए प्रतिभूति का अधिग्रहण।	एसबीआर के मानक के आधार पर कोई भी लेयर।
2.	एनबीएफसी-अवसंरचना वित्त कंपनी (एनबीएफसी-आईएफसी)	अवसंरचना ऋण।	मध्य या ऊपरी लेयर, जैसा भी मामला हो।
3.	कोर निवेश कंपनी (सीआईसी)	इक्विटी शेयर, अधिमानी शेयर, कर्ज या ग्रुप कंपनियों को दिए गए ऋण में निवेश।	मध्य या ऊपरी लेयर, जैसा भी मामला हो।
4.	एनबीएफसी-अवसंरचना डेट फंड (एनबीएफसी-आईडीएफ)	ऐसी उत्तर-आरंभ परिचालन तिथि अवसंरचना परियोजनाओं का पुनर्वित्तपोषण जिन्होंने व्यावसायिक परिचालन का कम से कम एक वर्ष पूरा कर लिया है और प्रत्यक्ष उधारदाता के तौर पर टोल ऑपरेट ट्रांसफर परियोजनाओं का वित्तपोषण।	मध्य लेयर।
5.	एनबीएफसी-सूक्ष्म वित्त संस्थाएं (एनबीएफसी-एमएफआई)	आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों को असंपादिक के छोटे ऋण देना।	एसबीआर के मानक के आधार पर कोई भी लेयर।
6.	एनबीएफसी-फैक्टर्स	असाइनमेंट के माध्यम से किसी असाइनर की प्राप्य राशियों का अधिग्रहण या ऐसे असाइनमेंट के लिए ऋण प्रदान करना।	एसबीआर के मानक के आधार पर कोई भी लेयर।
7.	एनबीएफसी - अपरिचालित वित्तीय होल्डिंग कंपनी (एनबीएफसी-एनओएफएचसी)	नए बैंक बनाने में प्रवर्तकों/प्रवर्तक समूहों को सुविधा देना।	आधार लेयर।
8.	मॉर्गेज गारंटी कंपनी (एमजीसी)	मॉर्गेज गारंटी व्यवसाय शुरू करना।	एसबीआर के मानक के आधार पर कोई भी लेयर।
9.	एनबीएफसी -अकाउंट एग्रीगेटर (एनबीएफसी-एए)	ग्राहक या विनियमित इकाई को जैसा कि ग्राहक द्वारा निर्दिष्ट किया गया है, एक समेकित, संगठित और पुनर्प्राप्ति योग्य तरीके से, ग्राहक से संबंधित विनिर्दिष्ट वित्तीय जानकारी एकत्र करना और प्रदान करना।	आधार लेयर।
10.	एनबीएफसी -पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी)	ऋण देने वालों और ऋण लेने वालों को एक साथ लाने के लिए एक ऑनलाइन मार्केटप्लेस अथवा प्लेटफॉर्म देना ताकि निधि जुटाने में मदद मिल सके।	आधार लेयर।
11.	आवास वित्त कंपनी (एचएफसी)	रहने की जगहों की खरीद/निर्माण/पुनर्निर्माण/नवीकरण/मरम्मत के लिए वित्तपोषण।	मध्य या ऊपरी लेयर, जैसा भी मामला हो।
12.	एकल प्राथमिक व्यापारी (एसपीडी)	सरकारी प्रतिभूति के निर्गम को हामीदारी देता है और पहले चरण की बोली में भाग लेता है।	मध्य लेयर।

स्रोत: आरबीआई।

प्रवाह को बेहतर करने के लिए फिनटेक और डिजिटल ऋण के उदय, और एनबीएफसी क्षेत्र द्वारा अपनाए गए 'डिजिटल-फर्स्ट' दृष्टिकोण के कारण यह आवश्यक हो गया था। इन निदेशों का उद्देश्य, डिजिटल ऋण परितंत्र में अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करते हुए, डिजिटल ऋण देने की प्रथाओं को त्रुटिहीन बनाना है।

VI.8 एनबीएफसी क्षेत्र में 15 एनबीएफसी (चार एचएफसी सहित) का वर्चस्व है, जो मार्च 2025 के अंत तक की कुल आस्तियों में 30.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ ऊपरी लेयर

में हैं। सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी की उपस्थिति के कारण एनबीएफसी-एमएल की हिस्सेदारी 64.6 प्रतिशत थी, जबकि एनबीएफसी-बीएल का कुल आस्ति में 5.2 प्रतिशत की मामूली हिस्सेदारी थी, हालांकि यह संस्थाओं की संख्या के मामले में सबसे बड़ा सेगमेंट है (सारणी VI.2)।

VI.9 एनबीएफसी⁸ द्वारा दिया गया ऋण पिछले कुछ वर्षों में बढ़ रहा है, जो वित्तीय मध्यस्थता में उनके बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। यह मार्च 2025 के अंत में बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 14.6 प्रतिशत हो गया, जो एक वर्ष पहले

⁸ इस खंड के बाद का विश्लेषण सीआईसी, एचएफसी और एसपीडी को छोड़कर ऊपरी और मध्य लेयर के एनबीएफसी पर केंद्रित है। बाद के दो अलग-अलग खंडों में शामिल हैं। मार्च-2025 तक एनबीएफसी की लेयर-वार पहचान 31 दिसंबर 2024 तक की उनकी स्थिति पर आधारित है। सितंबर-2025 के लिए, जनवरी और सितंबर 2025 के बीच एनबीएफसी की लेयर में बदलाव को छोड़कर, समान स्थिति पर विचार किया गया है।

सारणी VI.2: एनबीएफसी का संघटन

(मार्च 2025 के अंत में)

(प्रतिशत में हिस्सा)

लेयर	संख्या	आस्ति
1	2	3
एनबीएफसी-यूएल	0.2	30.2
एनबीएफसी-एमएल	7.0	64.6
एनबीएफसी -बीएल	92.8	5.2
कुल	100.0	100.0

टिप्पणी: एनबीएफसी का मतलब रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित सभी एनबीएफसी से है, जिसमें सीआईसी, एएचएफसी और एसपीडी शामिल हैं।

स्रोत: आरबीआई और एनएचबी।

13.5 प्रतिशत था (चार्ट VI.2ए)। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के बकाया ऋण के हिस्से के रूप में एनबीएफसी का ऋण मार्च 2025 के अंत में बढ़कर 25.3 प्रतिशत हो गया, जो एक वर्ष पहले 23.6 प्रतिशत था (चार्ट VI.2बी)। बैंकों और एनबीएफसी के बीच उभरती सह-ऋण व्यवस्थाओं में एमएसएमई, कृषि और खुदरा उधारकर्ताओं जैसे वंचित क्षेत्रों में एनबीएफसी के ऋण प्रवाह को बढ़ाने की क्षमता है। इसे ध्यान में रखते हुए, रिजर्व बैंक ने कुछ विवेकपूर्ण और आचरण-संबंधी पहलुओं पर ध्यान देते हुए, सह-ऋण के दायरे को व्यापक बनाने और ऐसी व्यवस्थाओं की अनुमति पर विशिष्ट विनियामकीय स्पष्टता प्रदान करने के उद्देश्य से बृहत् संशोधित निदेश⁹ जारी किए थे।

VI.10 वर्ष 2024-25 में एनबीएफसी के पंजीकरण और पंजीकरण प्रमाणपत्रों (सीओआर) के निरस्तीकरण की संख्या में वृद्धि हुई है (चार्ट VI.3)। सीओआर के लौटाने या निरस्त करने के कारणों में, अन्य बातों के साथ-साथ, स्वैच्छिक निकास, विधिक विघटन, विलय, स्थिति में परिवर्तन के साथ-साथ विनियामकीय अननुपालन शामिल हैं।

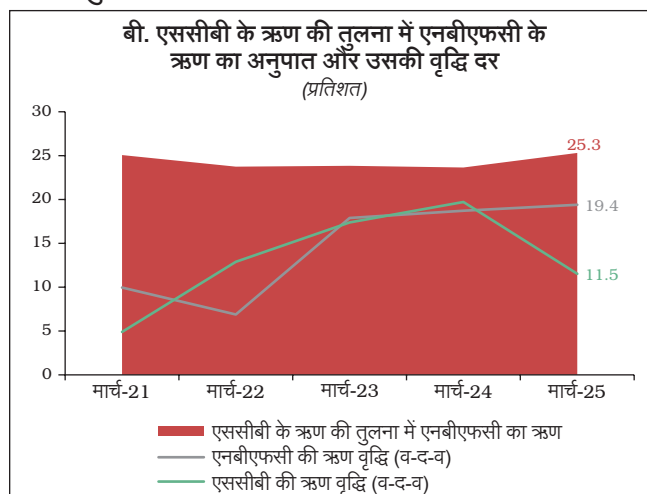
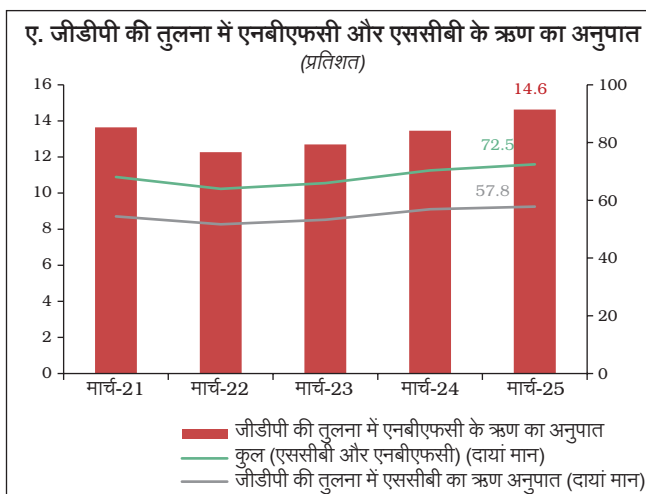
2.1. स्वामित्व का स्वरूप

VI.11 सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी (प्राथमिक रूप से एनबीएफसी-आईएफसी) के पास एनबीएफसी क्षेत्र का 36.5 प्रतिशत और एनबीएफसी-एमएल की समग्र आस्ति का 51.5 प्रतिशत हिस्सा है। गैर-सरकारी पब्लिक और प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के पास एनबीएफसी क्षेत्र की कुल आस्तियों में क्रमशः 30.6 प्रतिशत और 33.0 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी (सारणी VI.3)। एनबीएफसी-यूएल के रूप में पहचान के बाद, एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी बनने के लिए, यदि वे पहले से सूचीबद्ध नहीं हैं, तो एनबीएफसी को तीन वर्षों के भीतर सूचीबद्ध होना आवश्यक है।

2.2. तुलन पत्र

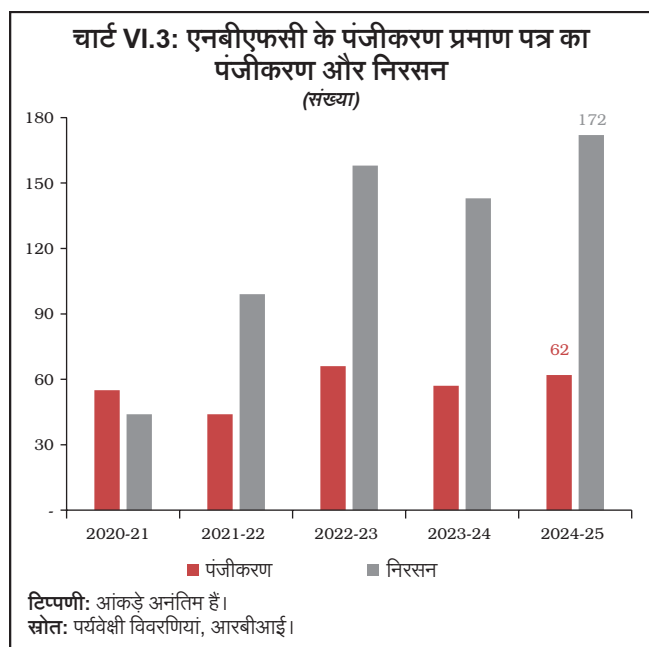
VI.12 वर्ष 2025 के अंत में, एनबीएफसी के तुलन पत्र ने पिछले वर्ष में दर्ज की गई वृद्धि को पार करते हुए दोहरे अंकों का

चार्ट VI.2: एससीबी के ऋण और जीडीपी की तुलना में एनबीएफसी के ऋण



स्रोत: भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट, विभिन्न अंक; और भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, विभिन्न अंक।

⁹ भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-ऋण जोखिम का स्थानांतरण और वियोजन) निदेश, 2025।



विस्तार बनाए रखा। देयताओं के पक्ष में, बैंकों से उधार लेने में एनबीएफसी की वृद्धि में कमी आई, जिसमें एनबीएफसी-एमएल में, एनबीएफसी-यूएल की तुलना में, वृद्धि में मंदी आई, जबकि एनबीएफसी-यूएल में मामूली विस्तार आया (सारणी VI.4)। एनबीएफसी ने, एनबीएफसी-एमएल द्वारा संचालित बाजार उधार पर अपनी निर्भरता बढ़ाकर इस कमी की भरपाई की। एनबीएफसी द्वारा बैंक से ऋण लेने पर जोखिम भार में वृद्धि, जिसे नवंबर 2023 में पेश किया गया था, का उद्देश्य बैंक उधार

पर एनबीएफसी की निर्भरता को कम करना था। 01 अप्रैल 2025 से प्रभावी, जोखिम भार को नवंबर 2023¹⁰ में वृद्धि से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया गया था। डिबेंचर के माध्यम से उधार, सितंबर 2025 के अंत में मार्च 2025 के अंत के स्तर की तुलना में बढ़ गया (परिशिष्ट सारणी VI.1)।

VI.13 आस्ति पक्ष पर, मार्च 2025¹¹ के अंत में ऋण और अग्रिम में 19.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें ऊपरी लेयर की एनबीएफसी ने एनबीएफसी-एमएल की तुलना में अधिक वृद्धि दर्ज की। एनबीएफसी द्वारा गैर-जमानती ऋण मुख्य रूप से आधार प्रभाव के कारण बढ़ा, जबकि इसी अवधि के दौरान जमानती ऋण की वृद्धि कम हो गई (चार्ट VI.4)। यह कमी मुख्य रूप से एनबीएफसी-एमएल के कारण था, जिसकी जमानती ऋण वृद्धि मार्च 2025 के अंत में घटकर 15.8 प्रतिशत हो गई, जो एक वर्ष पहले 29.9 प्रतिशत थी (परिशिष्ट सारणी VI.2 और VI.3)।

VI.14 एनबीएफसी की तीन श्रेणियां, अर्थात् आईसीसी, आईएफसी और एमएफआई की मार्च 2025 के अंत में एनबीएफसी क्षेत्र के बकाया ऋण में कुल हिस्सेदारी 98.8 प्रतिशत थी। एनबीएफसी-आईसीसी जो आस्ति के आकार के संदर्भ में सबसे बड़ी श्रेणी है और प्राथमिक रूप से खुदरा ऋण देने में शामिल है, में 21.2 प्रतिशत की ऋण वृद्धि देखी गई। एनबीएफसी-फैक्टर्स में तेजी से ऋण वृद्धि जारी रही। एनबीएफसी-आईएफसी ने, जो बिजली, जैसे अवसंरचना क्षेत्रों

सारणी VI.3: एनबीएफसी के स्वामित्व का स्वरूप (मार्च 2025 के अंत में)

(राशि स्करोड़ में; हिस्सा प्रतिशत में)

प्रकार	एनबीएफसी -क्षेत्र			एनबीएफसी-यूएल			एनबीएफसी-एमएल		
	संख्या	आस्ति का आकार	आस्ति हिस्सा	संख्या	आस्ति का आकार	आस्ति हिस्सा	संख्या	आस्ति का आकार	आस्ति हिस्सा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ए. सरकारी कंपनियाँ	26	22,28,097	36.5	0	0	0	26	22,28,097	51.5
बी. गैर-सरकारी कंपनियाँ (1+2)	405	38,81,029	63.5	10	17,81,991	100.0	395	20,99,038	48.5
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियाँ	56	18,67,476	30.6	7	13,43,366	75.4	49	5,24,110	12.1
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियाँ	349	20,13,553	33.0	3	4,38,625	24.6	346	15,74,929	36.4
सी. कुल (ए+बी)	431	61,09,126	100.0	10	17,81,991	100.0	421	43,27,135	100.0

टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. राउंडिंग-ऑफ के कारण आंकड़े पूरी तरह से मेल नहीं खा सकते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

¹⁰ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का एकस्पोजर - जोखिम भार की समीक्षा, दिनांक 25 फरवरी 2025।

¹¹ मार्च 2025 के अंत की स्थिति के दो एचएफसी (जो एनबीएफसी-आईएफसी और आईसीसी में बदल गए) को छोड़कर, ऋण और अग्रिम में मार्च 2025 के अंत में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अप्रैल 2025 में, एक और एचएफसी एनबीएफसी-आईसीसी में बदल गया। तीनों एचएफसी के प्रभाव को छोड़कर, सितंबर 2025 के अंत में ऋण और अग्रिम में 14.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

सारणी VI.4: एनबीएफसी का संक्षिप्त तुलन पत्र

(₹ करोड़)

मर्दे	मार्च 2024 के अंत में			मार्च 2025 के अंत में			सितंबर 2025 के अंत में		
	एनबीएफसी	एनबीएफसी-यूएल	एनबीएफसी-एमएल	एनबीएफसी	एनबीएफसी-यूएल	एनबीएफसी-एमएल	एनबीएफसी	एनबीएफसी-यूएल	एनबीएफसी-एमएल
1	2(3+4)	3	4	5(6+7)	6	7	8(9+10)	9	10
1. शेयर पूँजी और आरक्षित निधि	11,95,847 (21.8)	2,54,221 (27.6)	9,41,625 (20.3)	13,96,260 (16.8)	3,31,545 (30.4)	10,64,715 (13.1)	14,68,161 (11.3)	3,86,518 (41.3)	10,81,643 (3.5)
2. जनता की जमाशियां	1,02,959 (21.2)	83,102 (28.2)	19,858 (-1.6)	1,21,178 (17.7)	1,00,653 (21.1)	20,525 (3.4)	1,31,730 (17.1)	1,10,124 (18.8)	21,607 (9.1)
3. डिबेंचर	12,32,999 (11.3)	2,71,444 (20.4)	9,61,555 (9.0)	14,76,698 (19.8)	3,46,807 (27.8)	11,29,891 (17.5)	16,20,223 (21.4)	4,20,755 (35.3)	11,99,468 (17.1)
4. बैंक उधार	13,38,088 (18.8)	4,13,073 (27.0)	9,25,015 (15.5)	15,56,648 (16.3)	5,32,289 (28.9)	10,24,360 (10.7)	16,59,501 (18.6)	5,79,808 (25.9)	10,79,692 (14.9)
5. वाणिज्यिक पत्र	1,05,439 (26.1)	54,146 (36.9)	51,293 (16.4)	1,35,232 (28.3)	61,305 (13.2)	73,928 (44.1)	1,56,199 (34.4)	71,165 (32.5)	85,034 (36.1)
6. अन्य	11,64,138 (15.9)	2,83,535 (30.8)	8,80,603 (11.8)	14,23,109 (22.2)	4,09,392 (44.4)	10,13,717 (15.1)	15,15,342 (18.1)	4,30,490 (36.0)	10,84,853 (12.3)
कुल देयताएं / आस्तियां	51,39,470 (17.1)	13,59,521 (26.9)	37,79,949 (13.9)	61,09,126 (18.9)	17,81,991 (31.1)	43,27,135 (14.5)	65,51,157 (17.7)	19,98,860 (32.6)	45,52,297 (12.2)
1. ऋण और अग्रिम	40,52,732 (18.7)	11,85,621 (29.1)	28,67,111 (14.9)	48,38,744 (19.4)	15,16,011 (27.9)	33,22,733 (15.9)	52,05,544 (20.5)	17,16,579 (30.6)	34,88,965 (16.1)
2. निवेश	6,66,796 (25.0)	95,189 (26.1)	5,71,606 (24.8)	7,84,621 (17.7)	1,35,253 (42.1)	6,49,368 (13.6)	8,18,990 (6.4)	1,53,493 (57.3)	6,65,497 (-0.9)
3. रोकड़ और बैंक जमा शेष	1,73,559 (0.8)	43,228 (-7.9)	1,30,332 (4.1)	2,30,508 (32.8)	80,973 (87.3)	1,49,535 (14.7)	2,41,021 (16.4)	65,829 (13.0)	1,75,192 (17.7)
4. अन्य चालू आस्तियां	89,928 (-12.0)	24,747 (12.5)	65,181 (-18.7)	1,22,877 (36.6)	36,672 (48.2)	86,205 (32.3)	1,43,967 (29.1)	47,219 (76.1)	96,748 (14.2)
5. अन्य आस्तियां	1,56,455 (-6.5)	10,736 (29.1)	1,45,719 (-8.4)	1,32,377 (-15.4)	13,083 (21.9)	1,19,294 (-18.1)	1,41,635 (-10.4)	15,740 (39.9)	1,25,895 (-14.2)

टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दिखाते हैं।

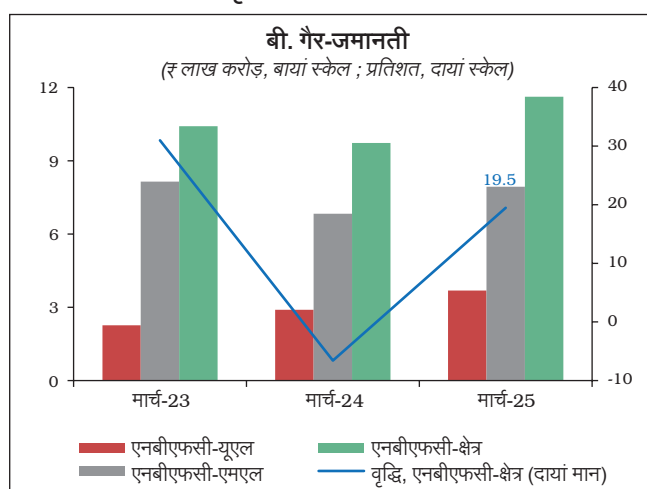
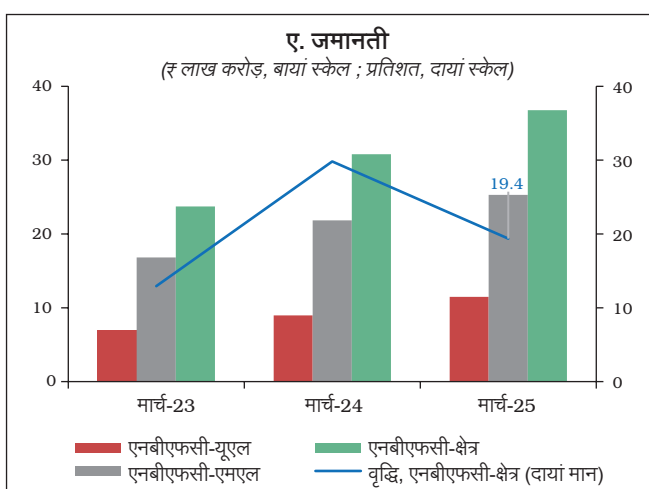
3. मार्च 2025 के अंत तक के आंकड़े में दो एचएफसी का एनबीएफसी-आईसीसी और एनबीएफसी-आईएफसी में परिवर्तित होना शामिल है। सितंबर 2025 के अंत तक के आंकड़े में एक और एचएफसी शामिल है जो अप्रैल 2025 में एनबीएफसी-आईसीसी में बदल गया था।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

का वित्तपोषण करता है, पिछले वर्ष के 9.6 प्रतिशत की तुलना में दो अंकों की ऋण वृद्धि दर्ज की। एनबीएफसी-एमएफआई में

ऋण वृद्धि में गिरावट देखी गई (सारणी VI.5)। इस क्षेत्र ने एक ग्राहक के लिए सूक्ष्म वित्त ऋणदाताओं की संख्या को तीन तक

चार्ट VI.4: एनबीएफसी के ऋण और अग्रिमों की प्रकृति



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

सारणी VI.5: वर्गीकरण के अनुसार एनबीएफसी की देयताएं और आस्तियों के मुख्य घटक

(₹ करोड़)

मर्दे	मार्च 2024 के अंत में			मार्च 2025 के अंत में			सितंबर 2025 के अंत में		
	उधार	ऋण और अग्रिम	कुल देयताएं/आस्तियां	उधार	ऋण और अग्रिम	कुल देयताएं/आस्तियां	उधार	ऋण और अग्रिम	कुल देयताएं/आस्तियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. एनबीएफसी-आईसीसी	19,63,800 (21.0)	23,71,662 (24.5)	32,65,085 (20.6)	24,55,516 (25.0)	28,74,859 (21.2)	39,55,691 (21.2)	26,43,186 (21.7)	30,94,569 (19.6)	42,10,961 (16.6)
2. एनबीएफसी -फैक्टर्स	2,560 (95.8)	3,425 (67.3)	3,880 (45.6)	3,643 (42.3)	4,639 (35.4)	5,048 (30.1)	3,821 (34.2)	4,788 (24.7)	5,011 (17.8)
3. एनबीएफसी-आईडीएफ	40,122 (25.4)	44,612 (22.2)	48,310 (23.8)	48,387 (20.6)	52,518 (17.7)	57,674 (19.4)	53,153 (19.8)	57,602 (19.1)	63,039 (18.8)
4. एनबीएफसी-आईएफसी	13,40,429 (9.0)	14,99,348 (9.6)	16,60,542 (9.5)	15,73,379 (17.4)	17,89,856 (19.4)	19,46,048 (17.2)	16,99,185 (22.6)	19,35,856 (24.8)	21,28,021 (22.3)
5. एनबीएफसी-एमएफआई	1,19,373 (27.6)	1,33,685 (30.5)	1,61,653 (30.3)	1,00,290 (-16.0)	1,16,871 (-12.6)	1,44,666 (-10.5)	1,00,082 (-10.0)	1,12,728 (-12.0)	1,44,124 (-7.7)
कुल	34,66,283 (16.3)	40,52,732 (18.7)	51,39,470 (17.1)	41,81,214 (20.6)	48,38,744 (19.4)	61,09,126 (18.9)	44,99,426 (21.0)	52,05,544 (20.5)	65,51,157 (17.7)

टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दिखाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

सीमित करने और एक ग्राहक को कुल सूक्ष्म वित्त ऋण (गैर-जमानती खुदरा ऋणों सहित) ₹2 लाख¹² तक सीमित करने जैसे उपाय किए। इस क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ निधीयन में कमी की स्थिति भी देखी गई और इस सेगमेंट से संबंधित राज्य-विशेष विधान भी देखे गए।

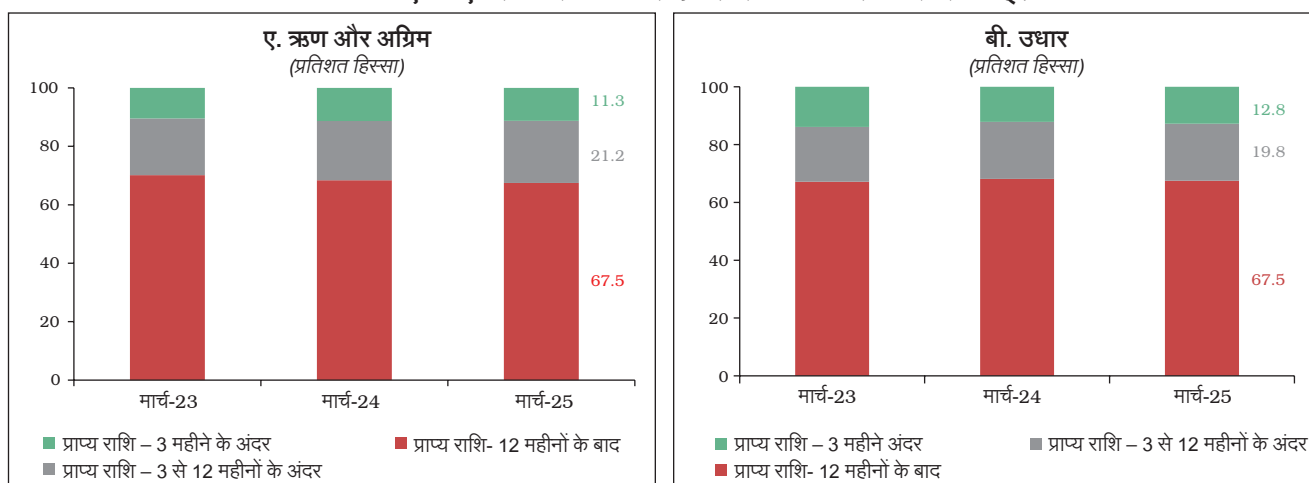
VI.15 मार्च 2025 के अंत में, एनबीएफसी द्वारा दिए गए दो-तिहाई से अधिक ऋणों और अग्रिमों के साथ-साथ उनके उधारों

की परिपक्वता अवधि 12 महीने से अधिक थी, जिसका अर्थ है कि आस्ति-देयता बेमेल की मात्रा कम थी और इस तरह चलनिधि के दबाव से बचा जा सकता था (चार्ट VI.5)।

2.3. एनबीएफसी का क्षेत्रवार ऋण

VI.16 मार्च 2025 अंत में एनबीएफसी द्वारा दिए गए ऋण की जांच से पता चलता है कि, उद्योग और खुदरा क्षेत्रों को कुल ऋण का 81.1 प्रतिशत ऋण दिया गया और उसके बाद सेवा

चार्ट VI.5: एनबीएफसी के प्राप्य और देय राशियों की परिपक्वता प्रोफाइल



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

¹² एनबीएफसी के लिए एसआरओ- सूक्ष्म वित्त संस्थान नेटवर्क और 'सा-धन' ने 'गार्डरेल' की शुरुआत की और साथ ही प्रति उधारकर्ता ऋण बकाया की सीमा तय कर दी।

क्षेत्र को 15.4 प्रतिशत ऋण दिया गया। इसी अवधि के दौरान सेवाओं को दिए गए ऋण में 29.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, उसके बाद उद्योग और खुदरा ऋणों ने दोहरे अंकों की वृद्धि प्रदर्शित की। बिजली क्षेत्र को दिए गए ऋण में, जो उद्योग को दिए गए ऋण का सबसे बड़ा हिस्सा है, मार्च 2025 के अंत में कुछ कमी आई, यह एक वर्ष पहले के 58.2 प्रतिशत से घटकर 56.1 प्रतिशत हो गई। सेवाओं के भीतर, व्यापार और परिवहन ऑपरेटरों को ऋण, जैसे उप-क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि हुई। नवंबर 2023¹³ में चुनिंदा खुदरा ऋणों पर जोखिम भार में वृद्धि के कारण धीमी गति से ही सही परंतु खुदरा ऋण में दोहरे अंकों में वृद्धि जारी रही। एनबीएफसी की बढ़ती भूमिका उनकी ऋण वृद्धि से परिलक्षित होती है, जो इस अवधि के दौरान, कृषि और संबद्ध गतिविधियों को छोड़कर, सभी क्षेत्रों में बैंकों से अधिक हो गई है। सितंबर 2025 के अंत में, सकल ऋण वृद्धि में दोहरे अंकों में विस्तार जारी रहा (चार्ट VI.6, सारणी VI.6, और परिशिष्ट सारणी VI.5)।

VI.17 एनबीएफसी, एमएसएमई क्षेत्र को ऋण देने में अनुकूलित उत्पादों की पेशकश करके और डिजिटल ऋण देने

सारणी VI.6: एनबीएफसी द्वारा क्षेत्रवार ऋण-अभिनियोजन

(₹ करोड़)

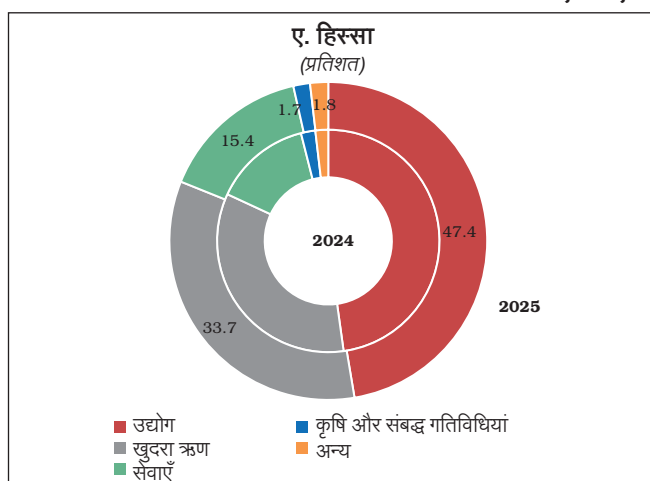
मद	मार्च 2024 के अंत में	मार्च 2025 के अंत में	सितंबर 2025 के अंत में
1	2	3	4
1. कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	84,712	82,059	87,840
2. उद्योग, जिसमें	19,37,033	22,91,605	23,94,110
2.1 ऊर्जा	11,26,554	12,85,589	13,21,790
3. सेवाएँ, जिसमें	5,73,198	7,44,181	8,01,470
3.1 परिवहन संचालक	1,32,778	1,61,937	1,66,426
3.2 व्यापार	95,149	1,27,923	1,33,648
4. खुदरा ऋण, जिसमें	13,82,146	16,31,900	18,38,897
4.1 वाहन/ऑटो ऋण	4,77,135	5,71,954	6,11,714
4.2 स्वर्ण के बदले व्यक्तियों को अग्रिम	1,54,315	2,08,482	2,61,728
4.3 सूक्ष्म वित्त ऋण/एसएचजी ऋण	1,50,750	1,33,186	1,24,089
5. अन्य	75,643	88,998	83,227
सकल अग्रिम (1 से 5)	40,52,732	48,38,744	52,05,544

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई।

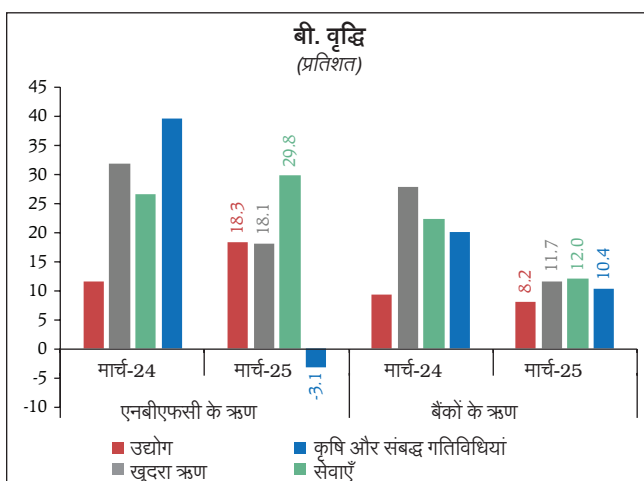
वाले प्लेटफार्मों का लाभ उठाकर तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही हैं। एनबीएफसी द्वारा सेवा क्षेत्र के एमएसएमई को दिया गया उधार एमएसएमई उद्योगों को दिए गए उधार की तुलना में अधिक है। एनबीएफसी द्वारा दिए गए कुल ऋण में एमएसएमई

चार्ट VI.6: एनबीएफसी के ऋण का वियोजन



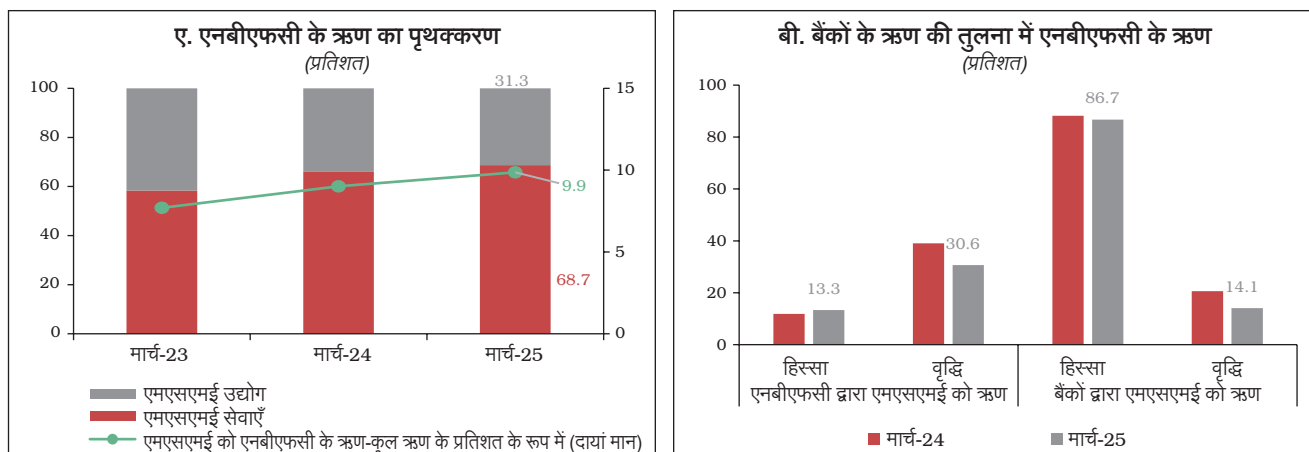
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई।



¹³ आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वाहन ऋण, स्वर्ण आभूषण पर ऋण और सूक्ष्म वित्त/एसएचजी ऋणों को छोड़कर, खुदरा ऋण के रूप में वर्गीकृत एनबीएफसी (बकाया और नए) के उपभोक्ता ऋण एक्सपोजर से संबंधित जोखिम भार को 100 से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया गया था, दिनांक 16 नवंबर 2023।

चार्ट VI.7: एमएसएमई क्षेत्र को ऋण



टिप्पणियाँ: 1. चार्ट 'बी' में हिस्सा, एनबीएफसी और बैंकों द्वारा एमएसएमई को दिए गए कुल ऋण में हिस्से को संदर्भित करता है।
2. आंकड़े अनंतिम हैं।

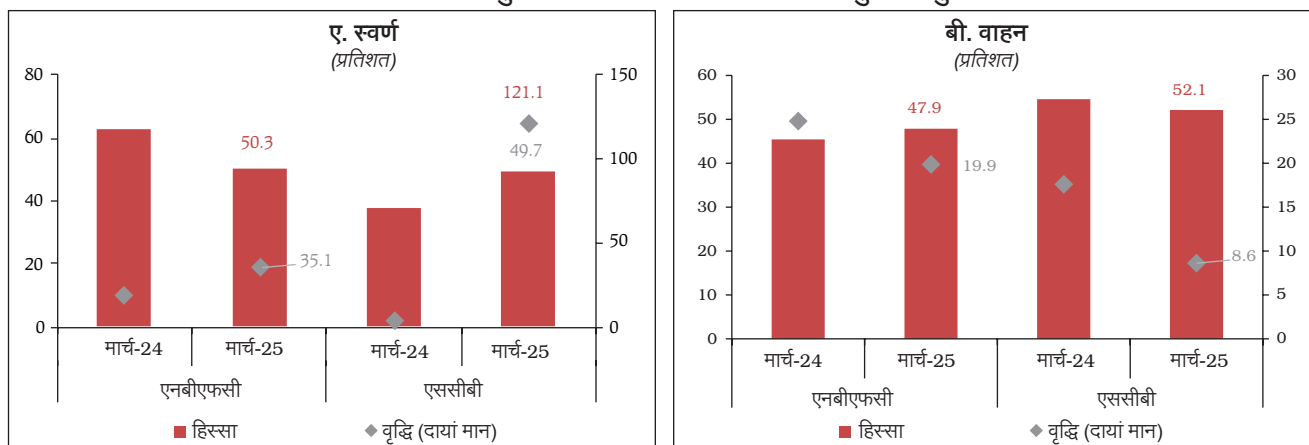
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई।

को दिए गए ऋण का अनुपात बढ़ रहा है, जो मार्च 2025 के अंत तक लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो एमएसएमई की जरूरतों को पूरा करने में इसकी बढ़ती भूमिका को उजागर करता है (चार्ट VI.7ए)। बैंकों की तुलना में, एनबीएफसी ने उच्च ऋण वृद्धि दर्ज की, और 2024-25 के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को दिए ऋण में उनकी हिस्सेदारी बढ़ गई (चार्ट VI.7बी)।

VI.18 खुदरा ऋण सेगमेंट में, एनबीएफसी ने वाहन वित्तपोषण, स्वर्ण ऋण¹⁴ और सूक्ष्म वित्त में मजबूत स्थिति बनाए रखी,

क्योंकि ये तीन सेगमेंट मिलकर उनके खुदरा ऋण पोर्टफोलियो का 56 प्रतिशत हिस्सा थे। एनबीएफसी को स्वर्ण ऋण सेगमेंट में बैंकों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण मार्च 2025 के अंत में बैंकों और एनबीएफसी द्वारा दिए गए कुल स्वर्ण ऋण में एनबीएफसी की हिस्सेदारी में महत्वपूर्ण गिरावट आई (चार्ट VI.8ए)। एनबीएफसी ने मार्च 2025 के अंत में बैंकों की तुलना में दोगुनी से अधिक वृद्धि हासिल करते हुए वाहन वित्तपोषण में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में कामयाबी

चार्ट VI.8: बैंकों की तुलना में एनबीएफसी द्वारा दिए गए चुनिंदा खुदरा ऋण



टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. चार्ट 'ए' और 'बी' में हिस्सा का मतलब है एनबीएफसी और बैंकों द्वारा क्रमशः स्वर्ण और गाड़ियों के लिए दिए गए कुल ऋण में हिस्सा।

3. चार्ट 'ए' में, एससीबी द्वारा स्वर्ण ऋण आभूषणों पर ऋण को संदर्भित करता है। एनबीएफसी द्वारा स्वर्ण ऋण, स्वर्ण के संपादिक में व्यक्तियों को दिए गए अग्रिमों को संदर्भित करता है।

स्रोत: डीबीआई और पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई।

¹⁴ स्वर्ण आभूषणों और आभूषणों के गिरवी रखने पर ऋण।

हासिल की है (चार्ट VI.8बी)। रिजर्व बैंक ने जून 2025¹⁵ में स्वर्ण और चांदी के संपार्श्विक के बदले ऋण देने संबंधी निदेशों को संशोधित किया, जिसका उद्देश्य एक अधिक सिद्धांत-आधारित और सामंजस्यपूर्ण विनियामकीय ढांचा तैयार करने के साथ-साथ विनियमित संस्थाओं के क्षमता, विवेक और आचरण-संबंधी पक्षों की कमी को दूर करना है।

VI.19 सूक्ष्म वित्त ऋणों के लिए वर्ष 2022 में शुरू किया गया संशोधित विनियामकीय ढांचा¹⁶ के माध्यम से, जिसमें मानकीकृत नियमों को पेश करते हुए ब्याज दर सीमा को समाप्त किया गया था, इस क्षेत्र के प्रणालीगत और सतत विकास की नींव रखी गई थी। सूक्ष्म वित्त संस्थान नेटवर्क (एमएफआईएन) और 'सा-धन' द्वारा शुरू किए गए 'गार्डरेल'¹⁷ ने इस क्षेत्र के स्थिर और समायोजित विकास को प्राथमिकता दी। हालांकि, सूक्ष्म वित्त क्षेत्र ने सभी ऋणदाताओं सहित दबाव का अनुभव किया, जिसमें अन्य एनबीएफसी (एनबीएफसी-एमएफआई को छोड़कर) को छोड़कर - मार्च 2025 के अंत तक ऋण में संकुचन दर्ज किया गया (चार्ट VI.9)। आगे बढ़ते हुए, विनियमित संस्थाओं को इस सेगमेंट में निर्मित होने वाले दबाव पर निगरानी रखने की आवश्यकता है।

2.4. संसाधन जुटाना

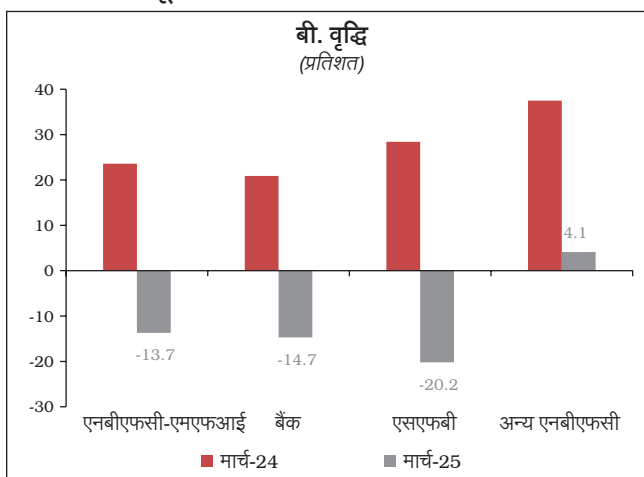
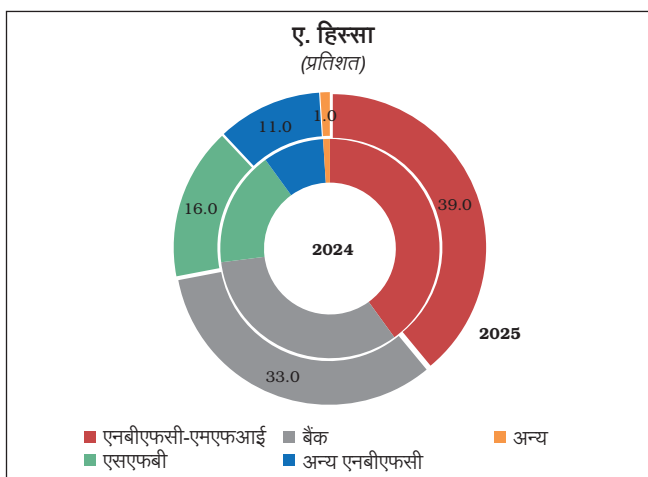
VI.20 एनबीएफसी बैंकों और बाजारों दोनों से संसाधन जुटाते हैं। हाल के वर्षों में एनबीएफसी द्वारा वित्तपोषण के स्रोतों में कुछ हद तक विविधता आई है - मुख्य रूप से ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण के साथ-साथ विदेशी स्रोतों से उधार लेने में।

2.4.1. उधार

VI.21 बैंक उधार और डिबेंचर एनबीएफसी के लिए निधीयन के प्रमुख स्रोत बने हुए हैं। हालांकि, इन स्रोतों की संयुक्त हिस्सेदारी मार्च 2024 के अंत में 74.2 प्रतिशत से मामूली घटकर सितंबर 2025 के अंत में 72.9 प्रतिशत हो गई है (सारणी VI.10)। एनबीएफसी अंतर-कॉर्पोरेट उधार, वाणिज्यिक पत्रों, वित्तीय संस्थानों और गौण ऋण के माध्यम से भी उधार लेते हैं। (चार्ट VI.7)।

VI.22 बैंक प्रत्यक्ष ऋण देने के अलावा, एनबीएफसी द्वारा जारी किए गए डिबेंचर और वाणिज्यिक पत्रों में भी निवेश

चार्ट VI.9: विनियमित संस्थाओं में बकाया सूक्ष्म ऋण



टिप्पणी: चार्ट 'ए' में 'एसएफबी' का मतलब लघु वित्त बैंक हैं।

स्रोत: माइक्रोमीटर, अंक 53, माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क।

¹⁵ भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-ऋण सुविधाएं) निदेश, 2025।

¹⁶ भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-ऋण सुविधाएं) निदेश, 2025 और भारतीय रिजर्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-दायित्वपूर्ण कारोबारी आचरण) निदेश 2025।

¹⁷ एनबीएफसी के लिए एसआरओ- सूक्ष्म वित्त संस्थान नेटवर्क और 'सा-धन' ने 'गार्डरेल' की शुरुआत की और साथ ही प्रति उधारकर्ता ऋण बकाया की सीमा तय कर दी।

सारणी VI.7: एनबीएफसी के उधार के स्रोत

(₹ करोड़)

मर्दे	मार्च 2024 के अंत में	मार्च 2025 के अंत में	सितंबर 2025 के अंत में	प्रतिशत भिन्नता	
				2023-24	2024-25
1	2	3	4	5	6
1. डिबेंचर	12,32,999 (35.6)	14,76,698 (35.3)	16,20,223 (36.0)	11.3	19.8
2. बैंक उधार	13,38,088 (38.6)	15,56,648 (37.2)	16,59,501 (36.9)	18.8	16.3
3. एफआई से उधार	1,17,157 (3.4)	1,40,199 (3.4)	1,44,859 (3.2)	30.8	19.7
4. अंतर-कॉर्पोरेट उधार	1,05,415 (3.0)	1,37,537 (3.3)	1,59,401 (3.5)	5.9	30.5
5. वाणिज्यिक पत्र	1,05,439 (3.0)	1,35,232 (3.2)	1,56,199 (3.5)	26.1	28.3
6. सरकार से उधार	18,282 (0.5)	18,442 (0.4)	18,566 (0.4)	-2.7	0.9
7. गौण ऋण	75,399 (2.2)	93,040 (2.2)	97,529 (2.2)	5.5	23.4
8. अन्य उधार	4,73,503 (13.7)	6,23,418 (14.9)	6,43,147 (14.3)	23.7	31.7
कुल उधार	34,66,283	41,81,214	44,99,426	16.3	20.6

टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल उधार में हिस्सेदारी दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

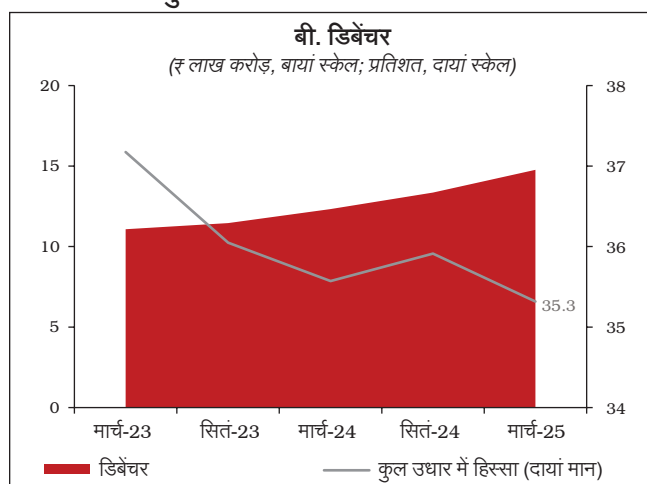
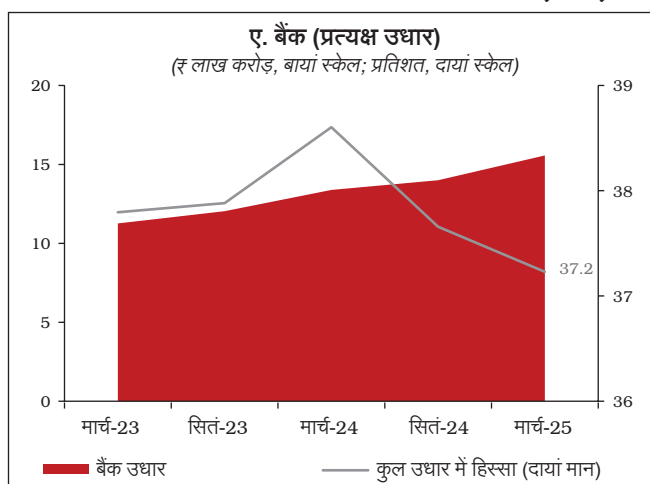
करते हैं। एनबीएफसी के कुल उधार में बैंकों से लिए समग्र उधार का हिस्सा अधिक बना हुआ है, हालांकि हाल के वर्षों में इसमें कुछ कमी आई है (चार्ट VI.11ए)। मार्च 2025 के अंत में एनबीएफसी को बैंक ऋण कुल बैंक ऋण का 8.5 प्रतिशत था, जबकि पिछले वर्ष में यह 8.9 प्रतिशत था (चार्ट VI.11बी)।

VI.23 एनबीएफसी द्वारा जमानती और गैर-जमानती दोनों उधार मार्च 2025 के अंत में तेजी से बढ़े (चार्ट VI.12)। वाणिज्यिक पत्रों के बढ़ते निर्गम और अंतर-कॉर्पोरेट उधार के कारण गैर-जमानती उधार में वृद्धि हुई।

2.4.2. जनता की जमाराशियां

VI.24 जनता की जमाराशियां, जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) के लिए निधियों का

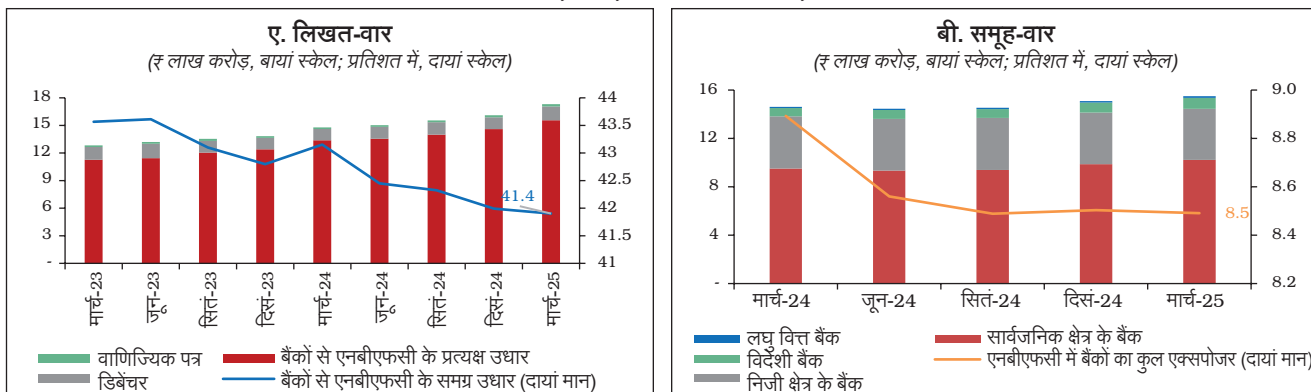
चार्ट VI.10: एनबीएफसी द्वारा उधार के प्रमुख स्रोत



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.11: एनबीएफसी में बैंकों का एक्सपोजर



टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. चार्ट 'ए' में, बैंकों से एनबीएफसी की कुल उधारी का मतलब है, एनबीएफसी की बैंकों से कुल प्रत्यक्ष उधार, सीपी और बैंकों द्वारा सब्सक्राइब किए गए डिबेंचर का एनबीएफसी की कुल उधारी में हिस्सा।

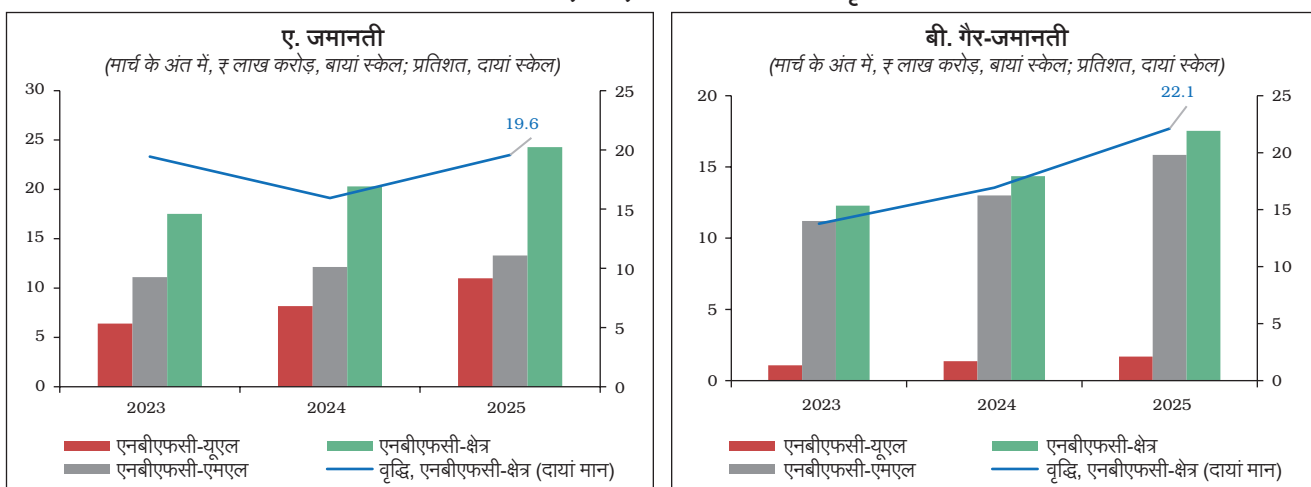
3. चार्ट 'बी' में, एनबीएफसी में बैंकों के कुल एक्सपोजर का मतलब है, बैंकों के कुल ऋण में एनबीएफसी को बैंकों (लघु वित्त बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, विदेशी बैंक और निजी क्षेत्र के बैंक) का बकाया प्रत्यक्ष उधार का हिस्सा।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणी, आरबीआई।

वैकल्पिक स्रोत है जो मार्च 2025 के अंत में एनबीएफसी-डी की कुल देयताओं का 12.5 प्रतिशत है (परिशिष्ट सारणी VI.4)। हालांकि एनबीएफसी-डी की संख्या में गिरावट आई, लेकिन उनकी जमाराशि में 2024-25 में मुख्य रूप से प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों के कारण दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई (चार्ट VI.13ए)। पांच प्रमुख एनबीएफसी-डी में जमाराशियों का संकेंद्रण है, जो कुल जमाराशि का 96.9 प्रतिशत है (चार्ट VI.13बी)। एनबीएफसी-डी द्वारा जुटाई गई जमाराशियों का बीमा, 'निकषे बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम' द्वारा नहीं किया

जाता है। जनता की जमाराशियां स्वीकार करने के लिए मौजूदा विनायामकीय अपेक्षाओं के अनुसार, इन एनबीएफसी के पास सेबी में पंजीकृत किसी भी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से कम से कम 'बीबीबी-' की निवेश-श्रेणी की रेटिंग होनी चाहिए। इसके अलावा, जमाराशि की रकम 12 से 60 महीनों की अवधि के लिए उनके निवल स्वाधिकृत निधि के 1.5 गुना से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और ब्याज दरें 12.5 प्रतिशत प्रति वर्ष पर सीमित होनी चाहिए।

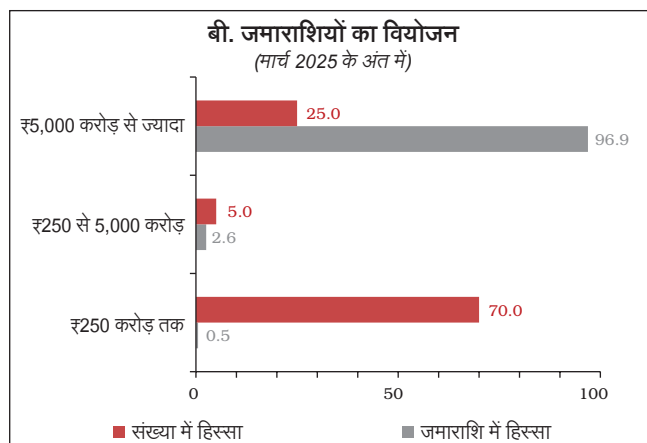
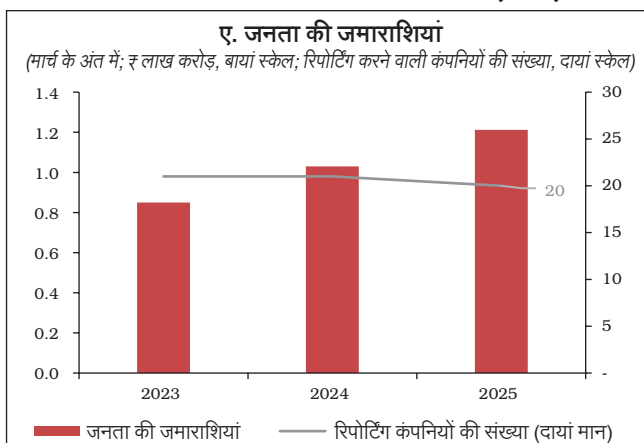
चार्ट VI.12: एनबीएफसी के उधारों की प्रकृति



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणीयां, आरबीआई।

चार्ट VI.13: एनबीएफसी-डी के पास जनता की जमा राशियां



टिप्पणियां: 1. एनबीएफसी-डी को उनके, जनता की समग्र जमा राशि के आकार पर, अलग-अलग समूह (बकेट) में वर्गीकृत किया गया है। किसी भी एनबीएफसी-डी की जमा राशि ₹250-500 करोड़ और ₹500-1,000 करोड़ के समूह (बकेट) में नहीं था।

2. आंकड़े अनतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

2.4.3. ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण

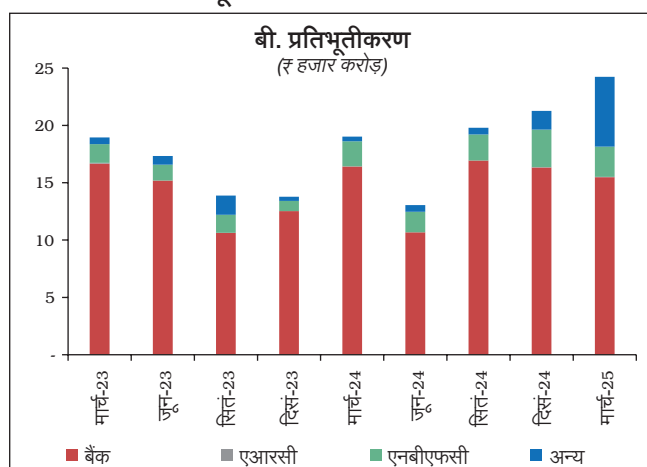
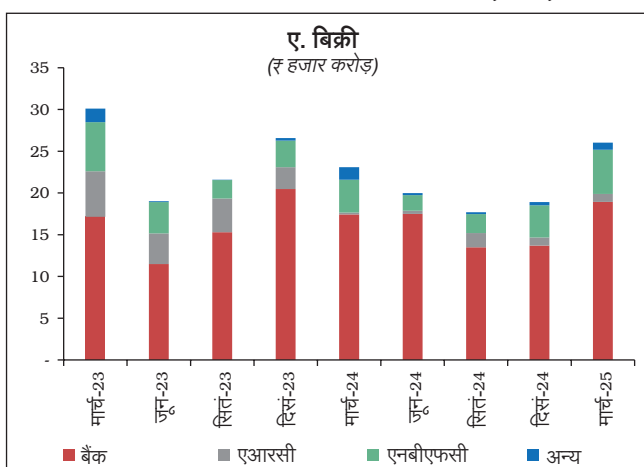
VI.25 ऋण देने वाली संस्थाएं आम तौर पर चलनिधि सृजन, अपने जोखिम को पुनर्संतुलित करने और विनियामकीय अनुपालन के लिए ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण को साधन के रूप में उपयोग करती हैं। 2024-25 के दौरान, जहां एनबीएफसी ने प्रत्यक्ष ऋण बिक्री के माध्यम से बड़ी मात्रा में निधि जुटाई, वहीं संसाधन जुटाने के स्रोत के रूप में उनकी

प्रतिभूतीकरण की गतिविधि भी बढ़ रही है। बैंक इन दोनों क्षेत्रों में प्रमुख प्रतिस्पर्धी बने रहे क्योंकि वे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण अपेक्षाओं¹⁸ के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए इन व्यवस्थाओं का उपयोग करते हैं (चार्ट VI.14)।

2.4.4. विदेशी देयताएं

VI.26 एनबीएफसी मुख्य रूप से उधार लेकर और डिबेंचर जारी कर विदेशी स्रोतों से भी निधि जुटाते हैं (सारणी VI.8)।

चार्ट VI.14: एनबीएफसी द्वारा ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण



टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनतिम हैं।

2. चार्ट 'ए' और 'बी' में दिए गए एन तिमाही के दौरान क्रमशः ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण को दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

¹⁸ बैंक अपने निवेश को संबंधित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र श्रेणियों के तहत 'प्रतिभूतीकरण नोटों' और 'ऋणों का प्रतिनिधित्व करने वाले बैंकों द्वारा आर्स्टि-समूह का समनुदेशन/एकमुश्त खरीद' में वर्गीकृत कर सकते हैं, बशर्ते कि आर्स्टियां बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा शुरू की गई हों और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों के रूप में वर्गीकरण के लिए पात्र हों और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन कर रही हों।

सारणी VI.8: एनबीएफसी की विदेशी देयताएं

(₹ करोड़)

मर्दे	मार्च 2024 के अंत में	मार्च 2025 के अंत में	सितंबर 2025 के अंत में	प्रतिशत भिन्नता	
				2023-24	2024-25
1	2	3	4	5	6
1. इक्विटी शेयर	48,777	48,811	49,797	19.4	0.1
i) विदेशी संस्थागत निवेशक	1,911	3,315	3,854	41.5	73.4
ii) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश	46,865	45,496	45,943	18.7	-2.9
2. उधार	2,56,790	4,69,636	5,32,375	26.5	82.9
3. बॉण्ड/डिबेंचर	1,24,559	1,28,201	1,30,268	-1.7	2.9
4. अन्य	19,234	24,229	28,846	34.8	26.0
कुल विदेशी देयताएं (1 से 4)	4,49,359	6,70,876	7,41,286	16.8	49.3
कुल देयताएं	51,39,470	61,09,126	65,51,157	17.1	18.9

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

कुल देयताओं में विदेशी स्रोतों से उधार का हिस्सा मार्च 2025 के अंत में 7.7 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2025 के अंत में 8.1 प्रतिशत हो गया, जबकि मार्च 2024 में यह 5.0 प्रतिशत था, जो मामूली बदलाव का संकेत है।

2.5. एनबीएफसी की आस्ति देयता प्रोफाइल

VI.27 एनबीएफसी ने मार्च 2025 के अंत में निवल धनात्मक चलनिधि बनाए रखी जो इस क्षेत्र के लिए चलनिधि की सहज स्थिति को दर्शाता है। चलनिधि बेमेल¹⁹ एनबीएफसी की

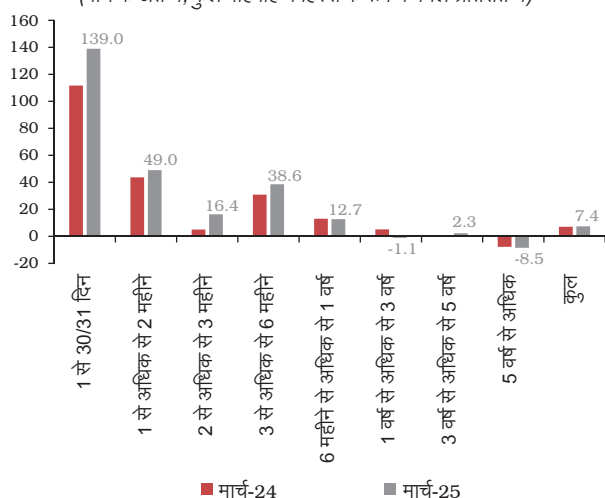
चलनिधि-स्थिति का एक प्रमुख संकेतक है। 1-30/31 दिनों के समूह (बकेट) के भीतर, एनबीएफसी के पास मार्च 2025 के अंत में कुल बहिर्वाह के हिस्से के रूप में 100 प्रतिशत से अधिक धनात्मक बेमेल था, जो दबाव के प्रबंधन के लिए पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली चलनिधि आस्ति बफर का संकेत है। इसके अलावा, छह महीने से एक वर्ष से अधिक, एक वर्ष से अधिक से तीन वर्ष और पांच वर्ष से अधिक की परिपक्वता को छोड़कर सभी समय-समूह (बकेट) में सुधार दर्ज किया गया (चार्ट VI.15)।

2.6. वित्तीय प्रदर्शन

VI.28 एनबीएफसी ने 93.2 प्रतिशत आय निधि-आधारित स्रोतों से प्राप्त किया, जैसे ब्याज आय और निवेश आय, जबकि शेष शुल्क-आधारित स्रोतों से प्राप्त किया। मार्च 2025 के अंत में एनबीएफसी-एमएल में ब्याज आय वृद्धि में मंदी के कारण एनबीएफसी की कुल आय वृद्धि में कमी आई (सारणी VI.9 और परिशिष्ट सारणी VI.6 और VI.7)। उच्च ब्याज व्यय, एनपीए के लिए प्रावधानीकरण और अशोध्य ऋणों को बढ़े खाते में डालने के कारण व्यय में वृद्धि दर्ज की गई। व्यय में वृद्धि के साथ-साथ आय में मंदी के कारण आय की तुलना में लागत अनुपात अधिक हो गया और निवल लाभ में गिरावट आई। प्रमुख प्रदर्शन-संकेतकों जैसे, आस्ति पर प्रतिलाभ (आरओए), इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) और निवल ब्याज मार्जिन

चार्ट VI.15: एनबीएफसी की संरचनात्मक चलनिधि विवरणी

(मार्च के अंत में: कुल बहिर्वाह में हिस्से के रूप में बेमेल-प्रतिशत में)



टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. बेमेल का अर्थ है प्रवाह (इनप्लो) घटाव बहिर्वाह (आउटप्लो)।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

¹⁹ विभिन्न समय-समूह (बकेट) में नकदी प्रवाह और नकदी बहिर्वाह के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है। एक धनात्मक बेमेल सहज चलनिधि स्थिति को इंगित करता है, जबकि ऋणात्मक बेमेल चलनिधि जोखिम का संकेत देता है।

सारणी VI.9: एनबीएफसी क्षेत्र के वित्तीय मानदंड

(₹ करोड़)

मदें	2023-24			2024-25			छमाही1: 2025-26		
	एनबीएफसी	एनबीएफसी-यूएल	एनबीएफसी-एमएल	एनबीएफसी	एनबीएफसी-यूएल	एनबीएफसी-एमएल	एनबीएफसी	एनबीएफसी-यूएल	एनबीएफसी-एमएल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ए. आय	5,93,747 (26.8)	1,82,115 (28.9)	4,11,632 (25.9)	6,85,545 (15.5)	2,38,342 (30.9)	4,47,203 (8.6)	3,88,433 (15.3)	1,42,597 (29.8)	2,45,836 (8.3)
बी. व्यय	4,14,444 (23.8)	1,30,395 (27.6)	2,84,049 (22.1)	5,15,351 (24.3)	1,74,008 (33.4)	3,41,343 (20.2)	2,86,968 (20.0)	1,06,522 (35.5)	1,80,446 (12.4)
सी. निवल लाभ	1,40,959 (30.8)	38,618 (34.3)	1,02,341 (29.5)	1,32,286 (6.2)	48,873 (26.6)	83,412 (-18.5)	79,970 (1.0)	27,012 (14.9)	52,958 (-4.9)
डी. कुल आस्ति	51,39,470 (17.1)	13,59,521 (26.9)	37,79,949 (13.9)	61,09,126 (18.9)	17,81,991 (31.1)	43,27,135 (14.5)	65,51,157 (17.7)	19,98,860 (32.6)	45,52,297 (12.2)
ई. वित्तीय अनुपात (कुल आस्ति के प्रतिशत के रूप में)									
(i) आय	11.6	13.4	10.9	11.2	13.4	10.3	11.9	14.3	10.8
(ii) व्यय	8.1	9.6	7.5	8.4	9.8	7.9	8.8	10.7	7.9
(iii) निवल लाभ	2.7	2.8	2.7	2.2	2.7	1.9	2.4	2.7	2.3
एफ. लागत की तुलना में आय अनुपात (प्रतिशत)	48.8	52.7	47.1	55.2	54.2	55.9	53.2	56.8	50.9

लागत की तुलना में आय अनुपात = (परिचालन व्यय)/(परिचालन आय)*100.
परिचालन व्यय = कुल व्यय - ब्याज व्यय; परिचालन आय = कुल आय - ब्याज व्यय।

टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दिखाते हैं।

3. छमाही1: 2025-26 के लिए वित्तीय अनुपात वार्षिकीकृत है।

स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

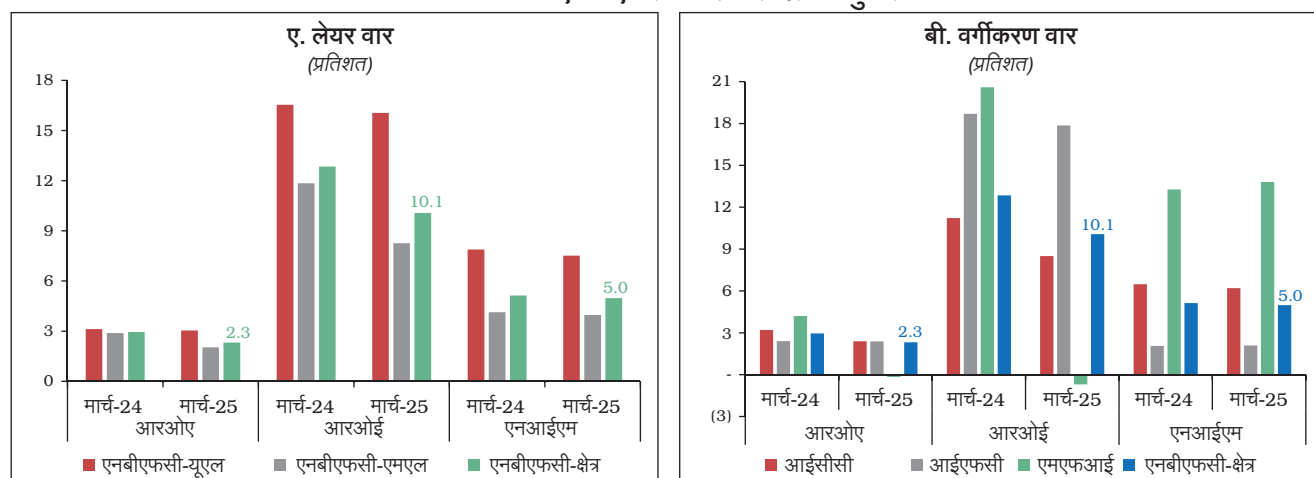
(एनआईएम) में कमी सभी लेयर में देखे जा सकते हैं। इसके अलावा, वर्ष 2024-25 के दौरान एनबीएफसी-एमएफआई के आरओए और आरओई ऋणात्मक हो गए (चार्ट VI.16)।

2.7. सुदृढ़ता संकेतक

VI.29 वर्ष 2024-25 में इस क्षेत्र की आस्ति गुणवत्ता में और सुधार हुआ। जीएनपीए अनुपात मार्च 2025 के अंत में घटकर

2.9 प्रतिशत हो गया, जो मार्च 2024 के अंत में 3.5 प्रतिशत था। एनएनपीए अनुपात में भी गिरावट का रुख था, जो एनपीए के प्रभावी समाधान और पर्याप्त प्रावधानीकरण को दर्शाता है। एनबीएफसी-एमएफआई को छोड़कर एनबीएफसी के सभी श्रेणियों की आस्ति गुणवत्ता बेहतर हुई है (चार्ट VI.17ए)। एनबीएफसी-एमएफआई की आस्ति गुणवत्ता में गिरावट आई जिसके कारण जीएनपीए अनुपात मार्च 2025 के अंत में बढ़कर

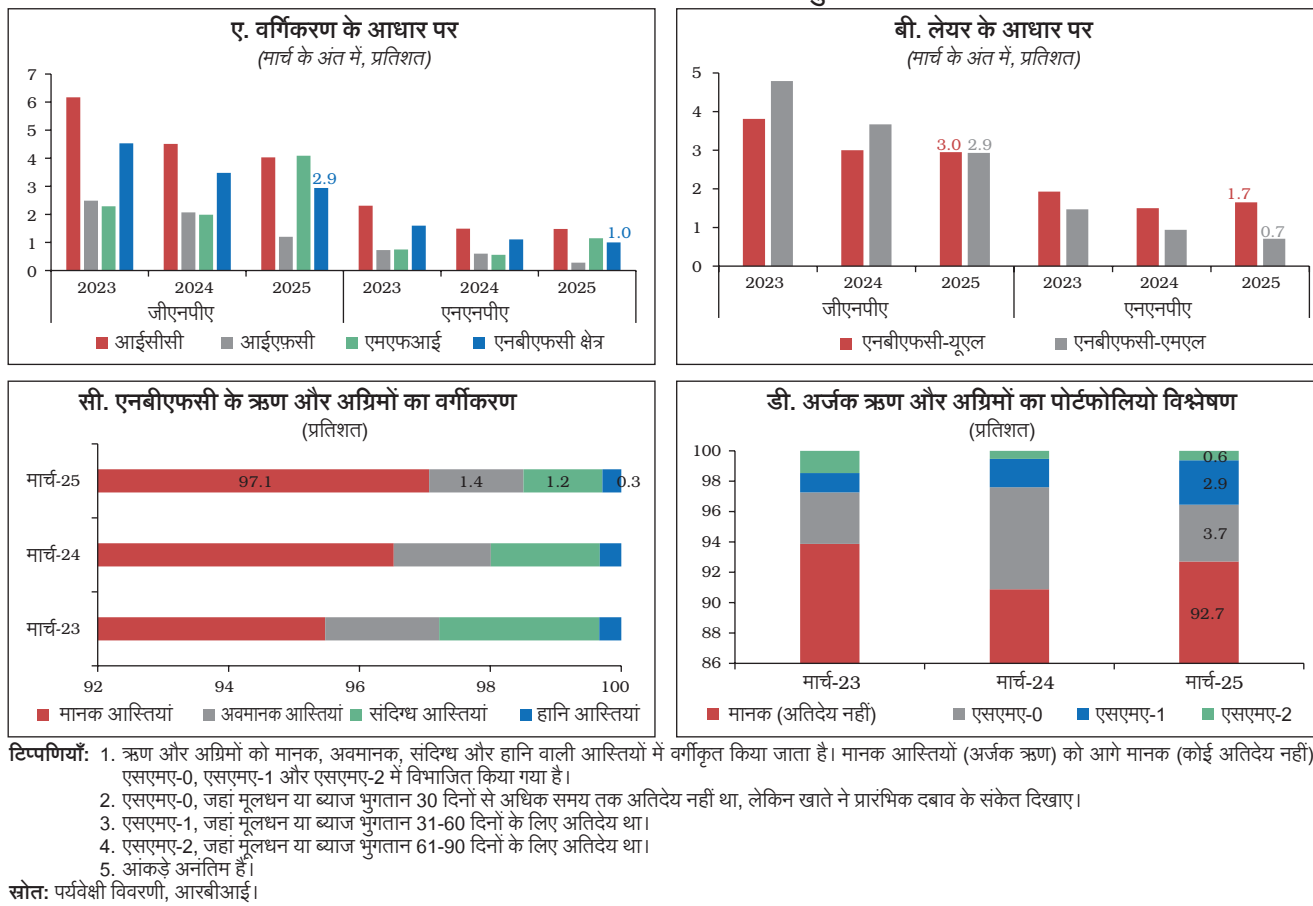
चार्ट VI.16: एनबीएफसी के लाभप्रदता अनुपात



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.17: एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता



4.1 प्रतिशत हो गया जो मार्च 2024 में 2.0 प्रतिशत था और एनएनपीए अनुपात इसी अवधि के दौरान 0.6 प्रतिशत से बढ़कर 1.2 प्रतिशत हो गया। इसकी वजह सूक्ष्म वित्त क्षेत्र में दबाव के साथ-साथ उधारकर्ताओं से वसूली की चुनौतियां थीं। सितंबर 2025 के अंत में, एनबीएफसी-क्षेत्र के जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात उसी स्तर पर थे जो वे मार्च 2025 के अंत में थे।

VI.30 एनबीएफसी-यूएल के मामले में जीएनपीए अनुपात अपरिवर्तित रहा, हालांकि एनएनपीए अनुपात में मार्च 2025 के अंत में कुछ गिरावट दर्ज की गई - मुख्य रूप से प्रावधानों में गिरावट के कारण (चार्ट VI.17बी)। एनबीएफसी-एमएल में जीएनपीए और एनएनपीए दोनों अनुपातों में सुधार देखे गए।

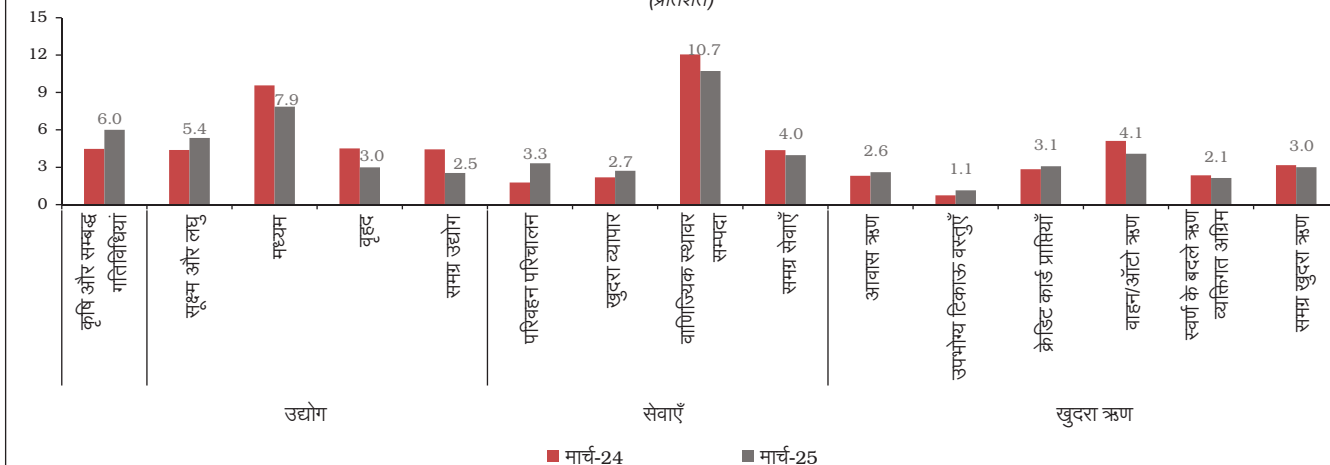
VI.31 एनबीएफसी द्वारा दिए गए कुल ऋण में मानक आस्तियों का हिस्सा बढ़ा, साथ ही अवमानक और संदिग्ध आस्तियों का

हिस्सा घटा (चार्ट VI.17सी)। एनबीएफसी को विशेष उल्लेख खातों (एसएमए 1 और एसएमए 2 श्रेणियों) में बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में सतर्क रहने की आवश्यकता है (चार्ट VI.17डी)।

VI.32 बड़े उधार खातों (₹5 करोड़ और उससे अधिक का एक्सपोजर) के तहत सकल अग्रिमों में मार्च 2025 के अंत में 23.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो एक वर्ष पहले 16.8 प्रतिशत थी। उनकी आस्ति गुणवत्ता ने महत्वपूर्ण सुधार प्रदर्शित किया, क्योंकि उनका जीएनपीए मार्च 2024 अंत के 5 प्रतिशत से घटकर मार्च 2025 के अंत में 3.3 प्रतिशत हो गया।

VI.33 क्षेत्रवार कृषि और संबद्ध गतिविधियों, परिवहन, खुदरा व्यापार, आवास ऋण, उपभोग्य टिकाऊ वस्तुएं और क्रेडिट कार्ड प्राप्तियों के मामले में आस्ति की गुणवत्ता में गिरावट आई है, जबकि समग्र उद्योग, वाणिज्यिक अचल संपत्ति, वाहन ऋण

चार्ट VI.18: एनबीएफसी का क्षेत्रवार जीएनपीए अनुपात
(प्रतिशत)



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणी, आरबीआई।

और स्वर्ण के बदले अग्रिम के मामले में इसमें सुधार हुआ है (चार्ट VI.18)।

VI.34 विनियामकीय अपेक्षाओं के अनुसार एनबीएफसी को मानक आस्तियों, अवमानक आस्तियों, हानि वाली आस्तियों और संदिग्ध आस्तियों के लिए प्रावधान बनाए रखने की जरूरत

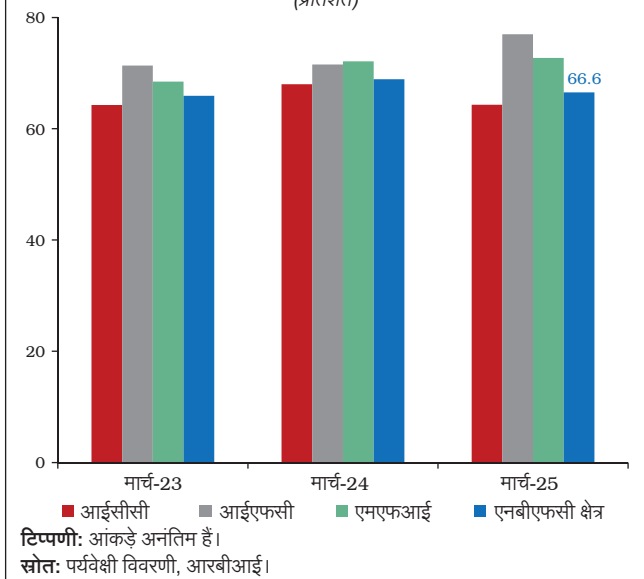
है। एनबीएफसी द्वारा किए गए प्रावधान मार्च 2025 के अंत में 66.6 प्रतिशत थे (चार्ट VI.19)।

VI.35 मार्च 2025 के अंत में 25.9 प्रतिशत के साथ जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) सुचारु रूप से पूंजीकृत बनी रहीं, जो 15 प्रतिशत के विनियामकीय अपेक्षा से काफी अधिक है। एनबीएफसी-एमएफआई ने पूर्वोपाय के रूप में 2024-25 के दौरान अपने सीआरएआर को और बढ़ा दिया (चार्ट VI.20)। सितंबर 2025 के अंत में एनबीएफसी क्षेत्र का सीआरएआर 24.9 प्रतिशत था।

2.8 संवेदनशील क्षेत्रों में एक्सपोजर

VI.36 मार्च 2025 के अंत में, एनबीएफसी ने अपने कुल आस्तियों का 25 प्रतिशत संवेदनशील क्षेत्रों²⁰ को उधार दिया (चार्ट VI.21)। समय के साथ स्थावर संपदा के लिए एनबीएफसी का एक्सपोजर बढ़ता गया, जो मार्च 2025 के अंत में संवेदनशील क्षेत्रों में यह कुल एक्सपोजर का 26.8 प्रतिशत तक पहुंच गया। उच्च गुणवत्ता वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए एनबीएफसी द्वारा वित्तपोषण की लागत को कम करने के लिए, इन परियोजनाओं²¹ पर लागू जोखिम भार को कम करने का प्रस्ताव किया गया था। एसबीआर के तहत आंतरिक सीमाओं का पालन करते हुए 2024-25 के दौरान पूंजी बाजार में निवेश में गिरावट आई।

चार्ट VI.19: एनबीएफसी का प्रावधान कवरेज अनुपात
(प्रतिशत)



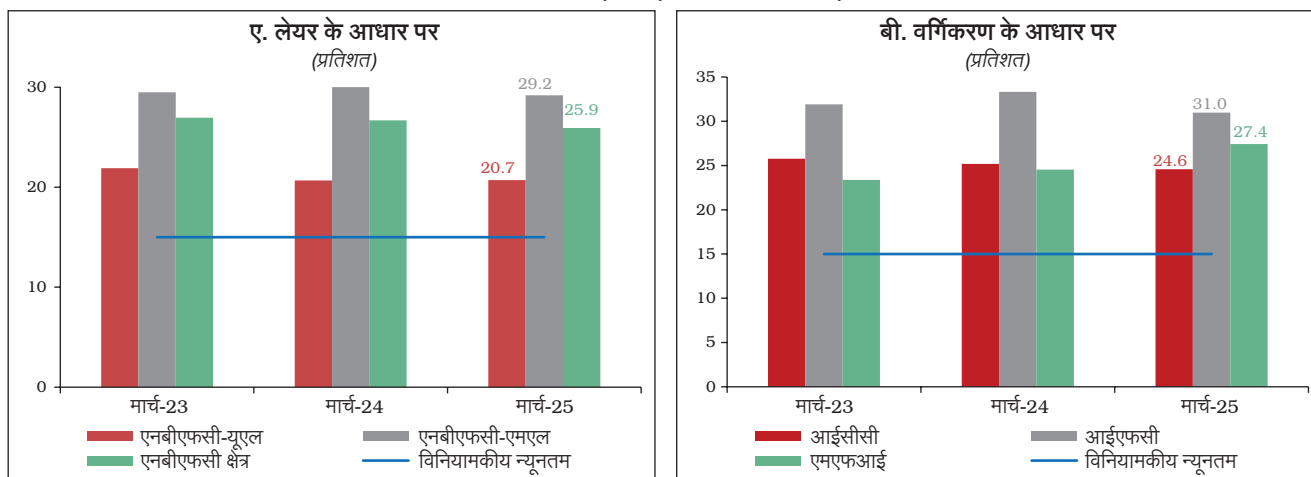
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणी, आरबीआई।

²⁰ इसमें पूंजी बाजार का जोखिम, स्थावर संपदा का जोखिम, प्रतिभूतियों में निवेश और पण्य के बदले अग्रिम शामिल हैं।

²¹ गवर्नर का वक्तव्य: 01 अक्तूबर, 2025।

चार्ट VI.20: एनबीएफसी का सीआरएआर



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणी, आरबीआई।

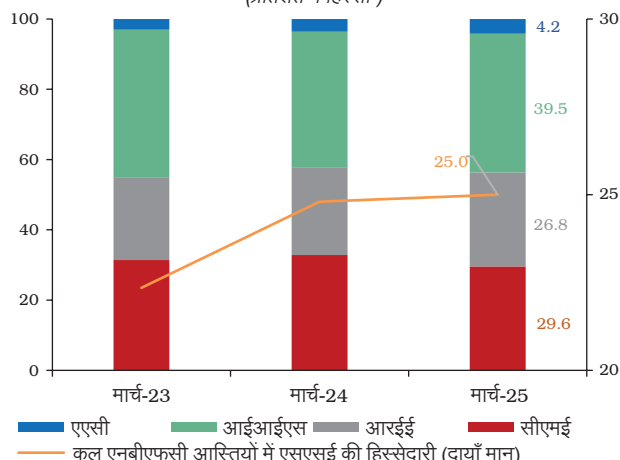
3. आवास वित्त कंपनियाँ

VI.37 एचएफसी विशेष वित्तीय संस्थाएं हैं जो मुख्य रूप से आवास वित्त प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) द्वारा पर्यवेक्षित हैं। रिज़र्व बैंक ने अगस्त 2019 से एनएचबी से एचएफसी के विनियमन को अपने हाथ में ले लिया। एचएफसी को एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उनकी विशिष्ट विशेषताओं और जोखिम प्रोफाइल

के आधार पर एसबीआर ढांचे के तहत मध्य लेयर या ऊपरी लेयर में रखा गया है। रिज़र्व बैंक अन्य बातों के साथ-साथ जमा स्वीकृति, चलनिधि, क्रेडिट रेटिंग और निवेश सीमाओं पर मानदंडों को संरेखित करके एचएफसी और एनबीएफसी के लिए विनियमों में सामंजस्य स्थापित कर रहा है।

VI.38 2024-25 में, मार्च 2024 के अंत में इस क्षेत्र के कुल आस्ति आकार में 15.2 प्रतिशत की संयुक्त हिस्सेदारी वाली दो एचएफसी (एक सरकारी स्वामित्व वाली) को एनबीएफसी-

चार्ट VI.21: संवेदनशील क्षेत्रों में एनबीएफसी का एक्सपोजर (प्रतिशत में हिस्सा)



सीएमई: पूजा बाजार का जोखिम; आरईई: स्थावर संपदा एक्सपोजर; आईआईएस: प्रतिभूतियों में निवेश; एएसी: पण्य के बदले अग्रिम; एसएसई: संवेदनशील क्षेत्र का जोखिम।

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणी, आरबीआई।

सारणी VI.10: एचएफसी का स्वामित्व पैटर्न

(मार्च के अंत में)

(₹ करोड़)

प्रकार	2024		2025	
	संख्या	आस्ति का आकार	संख्या	आस्ति का आकार
1	2	3	4	5
ए. सरकारी कंपनियाँ	1	95,990	0	0
बी. गैर-सरकारी कंपनियाँ (1+2)	92	9,78,455	91	10,58,279
1. सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियाँ	71	9,66,912	69	10,43,075
2. निजी लिमिटेड कंपनियाँ	21	11,542	22	15,204
कुल (ए+बी)	93	10,74,445	91	10,58,279
	(91)	(9,11,481)		

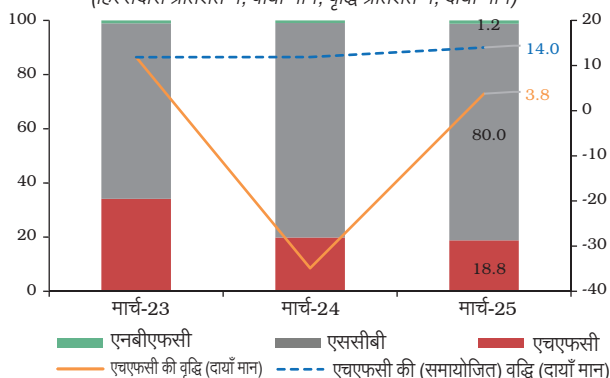
टिप्पणीयाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. 2024 के लिए ब्रैकेट में दिए गए आंकड़ों में एनबीएफसी में बदले गए दो एचएफसी के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

स्रोत: एनएचबी।

चार्ट VI.22: एचएफसी, एससीबी और एनबीएफसी द्वारा आवासीय क्षेत्र को प्रदत्त ऋण

(हिस्सेदारी प्रतिशत में, बायाँ मान; वृद्धि प्रतिशत में, दायाँ मान)



टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. मार्च 2024 के अंत में एचएफसी की हिस्सेदारी में बड़ी गिरावट 2023 में एक एचएफसी के बैंक में विलय के कारण से हुई।
3. मार्च 2024 के अंत के लिए समायोजित वृद्धि की तुलना के लिए, मार्च 2023 के अंत से विलय की गई इकाई को शामिल नहीं किया गया है। इसी प्रकार, मार्च 2025 के अंत के लिए समायोजित वृद्धि में मार्च 2024 के अंत से दो परिवर्तित संस्थाओं को शामिल नहीं किया गया है।

स्रोत: एनएचबी।

आईएफसी और एनबीएफसी-आईसीसी²² में परिवर्तित कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप मार्च 2025 के अंत तक एचएफसी की कुल आस्ति में कमी आई (सारणी VI.10)।

सारणी VI.11: एचएफसी का समेकित तुलन पत्र

(मार्च के अंत में)

(₹ करोड़)

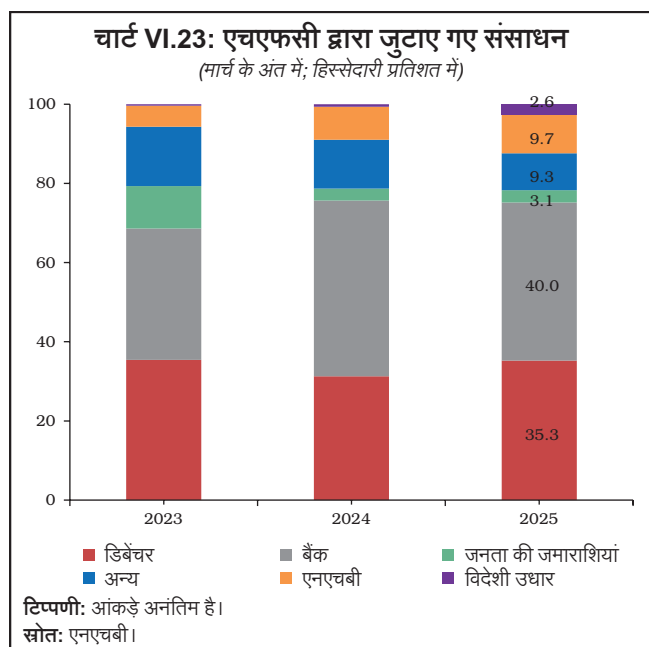
मद	2024			2025		
	एचएफसी	एचएफसी-एमएल	एचएफसी-यूएल	एचएफसी	एचएफसी-एमएल	एचएफसी-यूएल
1	2(3+4)	3	4	5(6+7)	6	7
1. शेयर पूंजी और आरक्षित निधि	1,96,147 (19.6)	91,261 (24.1)	1,04,886 (16.0)	1,95,650 (21.1)	92,642 (23.9)	1,03,007 (18.6)
2. जनता की जमाशियां	24,764 (3.3)	5,076 (3.5)	19,689 (3.2)	25,685 (3.8)	5,358 (5.8)	20,327 (3.2)
3. डिबेंचर	2,56,053 (10.3)	59,642 (38.9)	1,96,411 (3.8)	2,96,548 (28.8)	81,411 (72.2)	2,15,136 (17.6)
4. बैंक उधार	3,63,598 (17.8)	1,86,614 (28.8)	1,76,984 (8.0)	3,37,445 (8.0)	1,80,747 (17.9)	1,56,698 (-1.5)
5. वाणिज्यिक पत्र	30,975 (58.2)	10,241 (143.6)	20,734 (34.9)	37,373 (20.7)	13,232 (29.2)	24,141 (16.4)
6. अन्य	2,02,908 (1.5)	1,22,007 (3.7)	80,901 (-1.7)	1,65,578 (9.2)	88,952 (0.8)	76,626 (21.0)
कुल देयताएं/आस्तियां	10,74,445 (13.3)	4,74,841 (22.3)	5,99,604 (7.0)	10,58,279 (16.1)	4,62,343 (22.0)	5,95,935 (11.9)
1. ऋण एवं अग्रिम	9,61,452 (14.8)	4,36,062 (24.0)	5,25,390 (8.2)	9,59,857 (16.6)	4,17,925 (21.8)	5,41,931 (12.9)
2. निवेश	42,797 (-3.7)	10,044 (-14.2)	32,753 (0.1)	34,547 (8.1)	12,972 (32.2)	21,575 (-2.6)
3. नकदी और बैंक जमाशेष	27,486 (3.8)	16,480 (9.2)	11,006 (-3.3)	28,832 (24.2)	19,035 (17.7)	9,797 (39.0)
4. अन्य आस्तियां	42,710 (6.5)	12,255 (28.6)	30,455 (-0.4)	35,043 (6.4)	12,410 (28.2)	22,632 (-2.7)

टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।
2. ब्रैकेट में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दिखाते हैं।
3. मार्च 2025 के अंत के लिए संवृद्धि दर की गणना मार्च 2024 के अंत से दो एचएफसी (जो एनबीएफसी में बदल गए) को हटाकर की जाती है।
4. मार्च 2024 के अंत के लिए संवृद्धि दर की गणना मार्च 2023 के अंत से विलय किए गए एचएफसी को हटाकर की जाती है।

स्रोत: एनएचबी।

²² 2025-26 (अप्रैल 2025) में एक और एचएफसी को एनबीएफसी-आईसीसी में परिवर्तित कर दिया गया।

²³ मार्च 2025 के अंत के लिए वृद्धि दर की गणना मार्च 2024 के अंत से दो एचएफसी (जो एनबीएफसी में परिवर्तित हो गई) को छोड़कर की जाती है।



3.2. एचएफसी का संसाधन प्रोफाइल

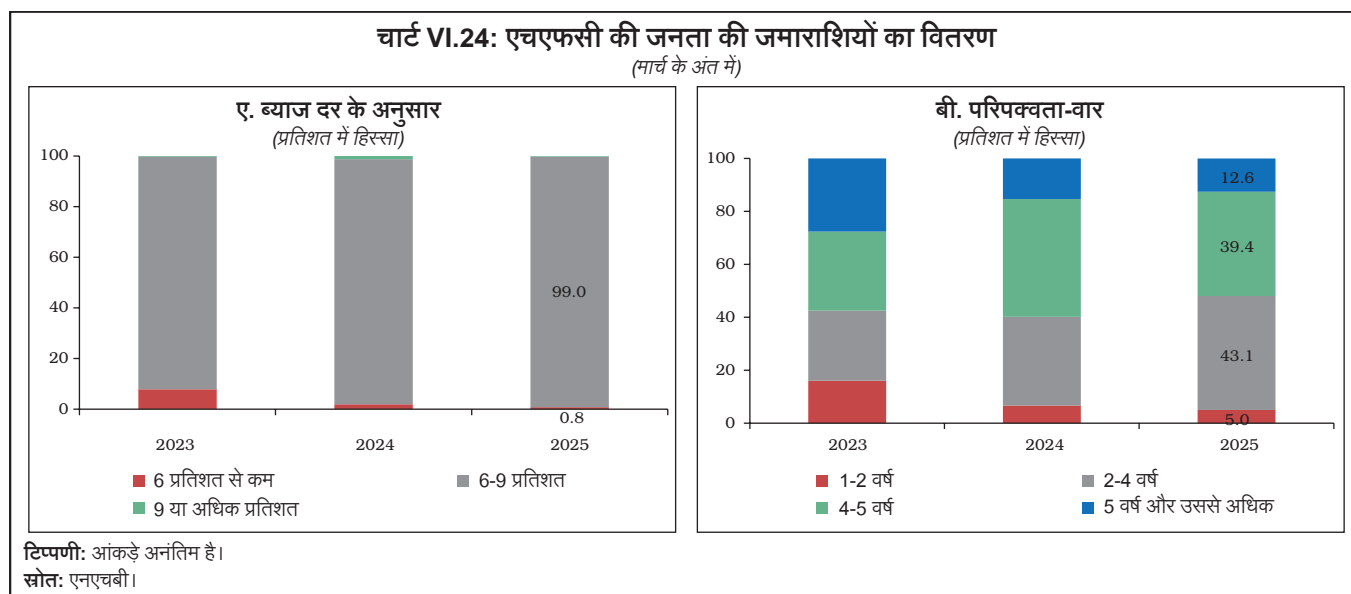
VI.41 बैंकों और डिबेंचरों से प्राप्त उधार, एचएफसी के लिए धन जुटाने के प्रमुख स्रोत बने रहे (मार्च 2025 के अंत में जुटाए गए कुल संसाधनों का 75.3 प्रतिशत) [चार्ट VI.23]। बैंक उधार का हिस्सा मामूली रूप से कम हो गया, जबकि डिबेंचर

का हिस्सा बढ़ गया। एचएफसी की विदेशी उधारी मार्च 2025 के अंत में एनबीएफसी के मामले में देखी गई प्रवृत्ति के अनुरूप बढ़ी।

VI.42 91 एचएफसी में से सात को जनता की जमाराशियां स्वीकार करने की अनुमति है। मार्च 2025 के अंत में, 99 प्रतिशत जमा 6 से 9 प्रतिशत की ब्याज दर सीमा में केंद्रित थे। 2-4 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाली जनता की जमाराशियों में अपेक्षाकृत अधिक हिस्सेदारी होती है और इसके बाद मार्च 2025 के अंत में 4-5 वर्ष होते हैं (चार्ट VI.24)। इसके साथ ही, मौजूदा विनियामक प्रतिबंधों के कारण 5 वर्ष और उससे अधिक की परिपक्वता वाली जमाराशियों में गिरावट आने की संभावना है, जिसमें सभी जनता की जमाराशियों को एक वर्ष की अवधि के बाद लेकिन पांच वर्ष से पहले चुकाया जाएगा।²⁴

3.3. वित्तीय प्रदर्शन

VI.43 एचएफसी के लिए सभी प्रमुख वित्तीय संकेतकों ने 2024-25 में मजबूत वृद्धि दिखाई है। व्यय की तुलना में आय तेजी से बढ़ने के साथ, इसी अवधि के दौरान आरओए में सुधार हुआ (सारणी VI.12)।



²⁴ 'एचएफसी के लिए विनियामकीय ढांचे की समीक्षा और एचएफसी एवं एनबीएफसी पर लागू नियमों का सामंजस्य' पर 12 अगस्त, 2024 को जारी आरबीआई की अधिसूचना।

सारणी VI.12: एचएफसी के वित्तीय मापदंड
(मार्च के अंत में)

विवरण	2024	2025
1	2	3
ए. कुल आय	1,07,639	1,07,359
	(13.3)	(16.7)
1. निधिगत आय	1,02,451	1,00,588
	(18.4)	(15.0)
2. शुल्क आय	2,366	3,209
	(48.1)	(41.1)
बी. कुल व्यय	85,292	82,087
	(14.3)	(11.5)
1. वित्तीय व्यय	61,796	60,796
	(19.4)	(17.6)
2. परिचालन व्यय	14,733	16,603
	(24.7)	(19.8)
सी. कर प्रावधान	826	882
	(-34.2)	(180.8)
डी. निवल लाभ (पीएटी)	18,139	19,637
	(45.7)	(29.4)
ई. कुल आस्ति	10,74,445	10,58,279
	(13.3)	(16.1)
एफ. कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में वित्तीय अनुपात		
(i) आय	10.0	10.1
(ii) व्यय	7.9	7.8
(iii) आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए)	1.7	1.9
ग. आय की तुलना में व्यय अनुपात (प्रतिशत)	79.2	76.5

आय की तुलना में व्यय अनुपात = (कुल व्यय/कुल आय) * 100;
आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) = पीएटी / कुल आस्तियां।

टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

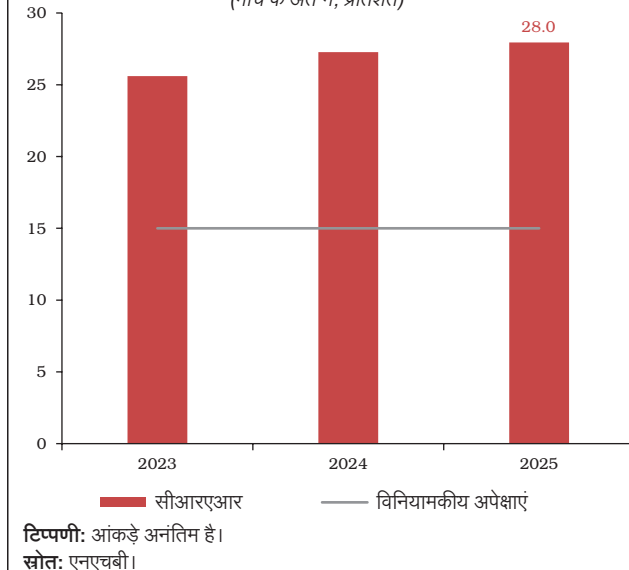
2. ब्रेकेट में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष संवृद्धि दिखाते हैं।

3. 2023-24 के लिए संवृद्धि दर की गणना 2022-23 से विलय किए गए एचएफसी को हटाकर की जाती है।

4. 2024-25 के लिए संवृद्धि दर की गणना 2023-24 से दो एचएफसी (जो एनबीएफसी में बदल गए) को हटाकर की जाती है।

स्रोत: एनएचबी।

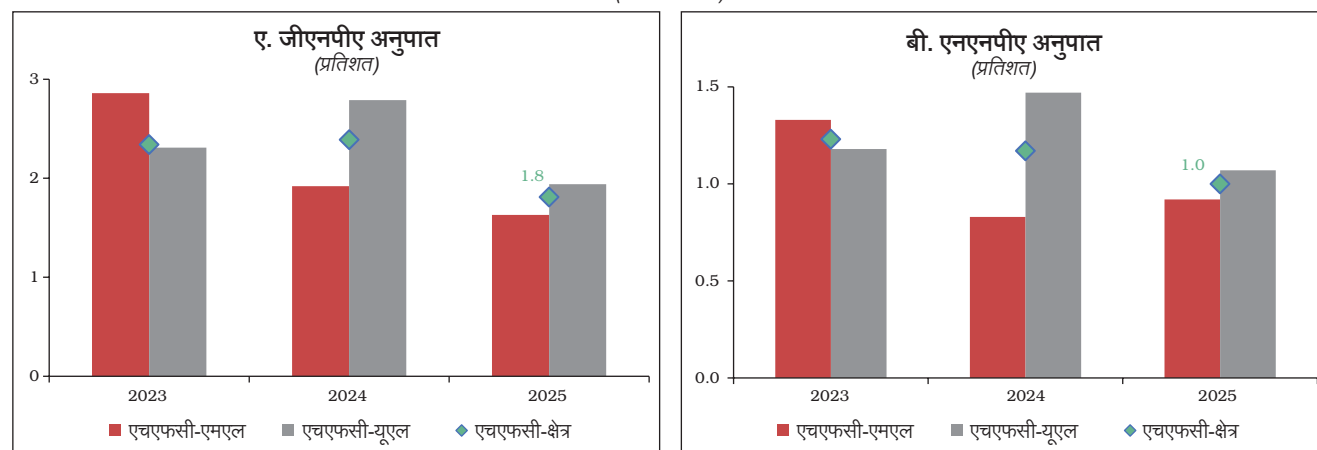
चार्ट VI.26: एचएफसी की पूंजी पर्याप्तता
(मार्च के अंत में, प्रतिशत)



3.4. सुदृढ़ता संकेतक

VI.44 एचएफसी की आस्ति गुणवत्ता ने मार्च 2025 के अंत में जीएनपीए और एनएनपीए दोनों अनुपातों के आधार पर सुधार दर्ज किया (चार्ट VI.25)। इस क्षेत्र का कुल सीआरएआर 28 प्रतिशत था, जो 15 प्रतिशत की विनियामकीय अपेक्षा से काफी अधिक था (चार्ट VI.26)।

चार्ट VI.25: लेयर के अनुसार एचएफसी की आस्ति गुणवत्ता
(मार्च के अंत में)



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

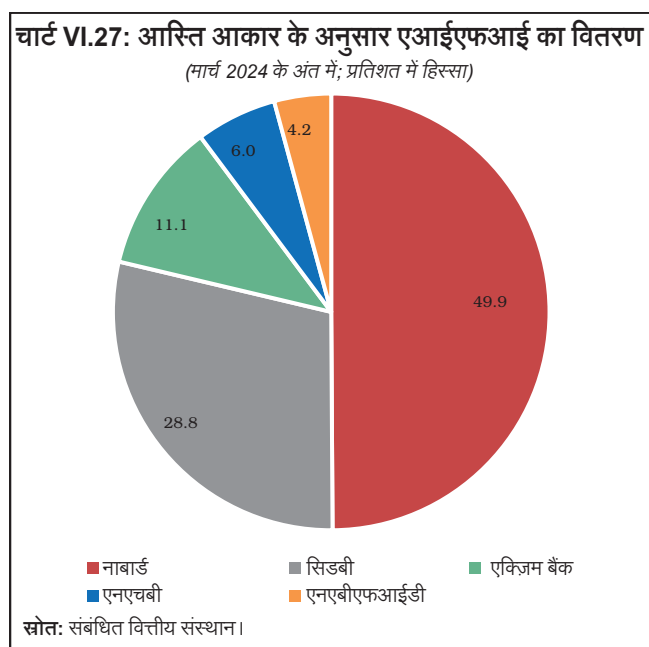
स्रोत: एनएचबी।

4. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान

VI.45 अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (एआईएफआई), जैसे नाबार्ड, सिडबी, एनएचबी, एक्जिम बैंक और एनएबीएफआईडी प्रमुख क्षेत्रों और गतिविधियों के लिए वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करने हेतु रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित और पर्यवेक्षण किए जाने वाले विशेष संस्थान हैं। नाबार्ड सबसे बड़ा एआईएफआई है, जो एआईएफआई की कुल आस्ति का आधा हिस्सा है; यह कृषि और ग्रामीण विकास को मदद करता है। सिडबी एमएसएमई क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करता है; एनएचबी आवास वित्त को सहायता करता है; एक्जिम बैंक अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए निर्यातकों और आयातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है; और एनएबीएफआईडी अवसंरचना परियोजनाओं की सहायता करने के लिए समर्पित है (चार्ट VI.27)।

4.1. एआईएफआई संचालन²⁵

VI.46 एआईएफआई द्वारा स्वीकृत और वितरित वित्तीय सहायता में 2024-25 में मामूली वृद्धि हुई। सिडबी को छोड़कर सभी एआईएफआई ने स्वीकृत और संवितरित दोनों राशियों में मामूली वृद्धि दर्ज की (सारणी VI.13 और परिशिष्ट सारणी VI.8)।



सारणी VI.13: एआईएफआई द्वारा स्वीकृत और संवितरित वित्तीय सहायता

(₹ करोड़)

संस्थान	स्वीकृत		संवितरण	
	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25
1	2	3	4	5
एक्जिम बैंक	1,06,312	1,39,871	89,073	1,28,272
नाबार्ड	4,42,649	4,52,819	4,36,584	4,49,044
एनएचबी	38,738	44,327	32,103	33,369
सिडबी	3,02,590	2,45,989	2,94,942	2,35,258
एनएबीएफआईडी	83,280	1,01,265	26,243	38,535
कुल	9,73,568	9,84,270	8,78,944	8,84,479

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

4.2. तुलन पत्र

VI.47 एआईएफआई के समेकित तुलन पत्र में मार्च 2025 के अंत में 10.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष यह 20.1 प्रतिशत थी। एक्जिम बैंक को छोड़कर सभी एआईएफआई द्वारा प्रदत्त ऋण एवं अग्रिम, एआईएफआई की आस्तियों का 85.2 प्रतिशत रहा है, जो यद्यपि एक साल पहले की तुलना में कम है, तथापि इसमें तेज गति से वृद्धि हुई है। एक्जिम बैंक और एनएचबी द्वारा निवेश में संकुचन के बावजूद मार्च 2025 के अंत में एआईएफआई के निवेश में 26.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। देयताओं के पक्ष में, 2024-25 के दौरान जबकि बॉण्ड और डिबेंचर तथा उधार में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जमाओं में 6.8 प्रतिशत की गिरावट आई क्योंकि सभी एआईएफआई द्वारा जुटाई गई जमा राशि में गिरावट आई (एनएबीएफआईडी जमा स्वीकार नहीं करता है) (सारणी VI.14)।

VI.48 एआईएफआई द्वारा कुल संसाधन जुटाने में वृद्धि 2023-24 में 27.8 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 10.4 प्रतिशत हो गई। अल्पकालिक संसाधनों का हिस्सा पिछले वर्ष के 51.7 प्रतिशत से 2024-25 में महत्वपूर्ण रूप से बढ़कर 69.6 प्रतिशत हो गया, जबकि दीर्घकालिक संसाधनों की

²⁵ एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएबीएफआईडी के लिए वित्तीय वर्ष अप्रैल से मार्च तक है, जबकि एनएचबी के लिए यह जुलाई से जून तक है।

सारणी VI.14: एआईएफआई का तुलन पत्र
(मार्च के अंत में)

मद	(₹ करोड़)		
	2023	2024	2025
1	2	3	4
1. पूंजी	55,008 (0.0)	55,008 (0.0)	55,008 (0.0)
2. आरक्षित निधि	99,638 (15.0)	1,15,569 (16.0)	1,35,267 (17.0)
3. बॉण्ड और डिबेंचर	3,62,319 (6.4)	4,30,846 (18.9)	5,21,258 (21.0)
4. जमा	4,94,762 (13.5)	5,58,894 (13.0)	5,20,630 (-6.8)
5. उधार	4,11,114 (58.5)	5,50,613 (33.9)	6,51,808 (18.4)
6. अन्य देयताएं	70,229 (2.4)	81,686 (16.3)	89,112 (9.1)
कुल देयताएं/आस्तियां	14,93,069 (19.8)	17,92,616 (20.1)	19,73,083 (10.1)
1. नकदी और बैंक जमाशेष	46,041 (6.2)	87,710 (90.5)	90,500 (3.2)
2. निवेश	1,00,426 (-13.7)	1,32,375 (31.8)	1,67,760 (26.7)
3. ऋण और अग्रिम	13,17,700 (23.3)	15,39,223 (16.8)	16,80,879 (9.2)
4. बिलों की मुनाई/पुनर्मुनाई	5,290 (73.0)	6,401 (21.0)	5,200 (-18.8)
5. अचल संपत्तियां	1,260 (-0.6)	1,282 (1.8)	1,260 (-1.7)
6. अन्य आस्तियां	22,353 (69.2)	25,624 (14.6)	27,484 (7.3)

टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. ब्रैकेट में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष संवृद्धि दिखाते हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 45.1 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 28.4 प्रतिशत हो गई (सारणी VI.15)।

सारणी VI.15: 2024-25 में एआईएफआई द्वारा जुटाए गए संसाधन

संस्था	(₹ करोड़)			
	कुल जुटाए गए संसाधन			
	दीर्घावधि	लघु-अवधि	विदेशी मुद्रा	कुल
1	2	3	4	5
एकिज़म बैंक*	12,850	84,531	19,432	1,16,813
नाबार्ड	1,17,392	3,96,613	0	5,14,005
एनएचबी	30,371	3,013	0	33,384
सिडबी	88,389	1,95,468	614	2,84,471
एनएबीएफआईडी	28,201	710	0	28,911
कुल	2,77,203	6,80,335	20,046	9,77,584

*दीर्घावधि रुपया स्रोतों में बॉण्ड/डिबेंचर और सावधि ऋण के माध्यम से प्राप्त उधार शामिल हैं; जबकि लघु अवधि स्रोतों में सीपी, सावधि जमा, सीडी और टीआरडीपीएस/सीआरओएमएस से उधार शामिल हैं। विदेशी मुद्रा स्रोत में अधिकतर बॉण्ड और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में द्विपक्षीय ऋण के माध्यम से प्राप्त उधार और दीर्घावधि खरीद/बिक्री स्वेप के माध्यम से प्राप्त निधि शामिल हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

VI.49 एआईएफआई एक निर्दिष्ट छत्र सीमा के आधार पर मुद्रा बाजार से संसाधन जुटाते हैं, जो उनके निवल स्वाधिकृत निधियों से जुड़ा होता है। मार्च 2025 के अंत में, बैंकों से अल्पकालिक ऋण के माध्यम से एआईएफआई द्वारा जुटाए गए संसाधन मुद्रा बाजार से जुटाए गए कुल संसाधनों का 51.4 प्रतिशत थे। एआईएफआई की छत्र सीमा का उपयोग मार्च 2025 के अंत में बढ़कर 69.3 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 65.6 प्रतिशत था (सारणी VI.16)।

4.3. निधियों के स्रोत और प्रयोग

VI.50 एआईएफआई द्वारा जुटाई गई और अभिनियोजित की गई धनराशि में 2024-25 के दौरान 42.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले यह 52.5 प्रतिशत थी। मुख्य रूप से नाबार्ड द्वारा संचालित वित्त पोषण के आंतरिक स्रोतों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव आया था। 2024-25 में, 83.1 प्रतिशत एआईएफआई निधि का उपयोग पिछली उधारियों को चुकाने के लिए किया गया था (सारणी VI.17)।

4.4. परिपक्वता प्रोफाइल और ऋण की लागत

VI.51 2024-25 के दौरान, जबकि नाबार्ड, एनएचबी और सिडबी के लिए रुपये के संसाधनों की भारित औसत लागत में वृद्धि हुई, एनएबीएफआईडी (चार्ट VI.28ए) के मामले में इसमें मामूली कमी आई। एनएचबी और एनएबीएफआईडी को छोड़कर, सभी एआईएफआई द्वारा जुटाई गई निधियों की भारित औसत परिपक्वता में मामूली गिरावट आई, जो इन

सारणी VI.16: एआईएफआई द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए संसाधन
(मार्च के अंत में)

लिखत	(₹ करोड़)		
	2024	2025	प्रतिशत में परिवर्तन
1	2	3	4
ए. कुल	3,60,150	4,15,161	15.3
i) सावधि जमा	12,632	14,491	14.7
ii) सावधि मुद्रा	2,508	10	-99.6
iii) अंतर-कॉरपोरेट जमा	0	0	
iv) जमा प्रमाणपत्र	63,595	88,780	39.6
v) वाणिज्यिक पत्र	1,00,446	98,425	-2.0
vi) बैंकों से अल्पकालिक ऋण	1,80,969	2,13,455	18.0
जापन:			
बी. छत्र सीमा	2,73,258	2,91,096	6.5
सी. छत्र सीमा का प्रयोग	65.6	69.3	5.7
[ए (vi) को छोड़कर] बी के प्रतिशत के रूप में]			

टिप्पणी: छत्र सीमा पांच लिखतों पर लागू है – सावधि जमा; सावधि मुद्रा ऋण; जमा प्रमाणपत्र (सीडी); वाणिज्यिक पत्र (सीपी); और अंतर-कॉरपोरेट जमा।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

सारणी VI.17: एआईएफआई के स्रोत और निधियों का विनियोजन

मद	2023-24	2024-25	प्रतिशत में परिवर्तन
1	2	3	4
ए. निधियों के स्रोत (i+ii+iii)	88,34,046	1,26,03,881	42.7
i. आंतरिक	39,05,316	70,73,042	81.1
ii. बाह्य	48,09,099	53,67,547	11.6
iii. अन्य ^०	1,19,632	1,63,291	36.5
बी. निधियों का विनियोजन (i+ii+iii)	88,34,046	1,26,03,881	42.7
i. नया विनियोजन	15,66,118	15,05,343	-3.9
ii. पिछले उधारों का पुनर्भुगतान	63,65,147	1,04,79,021	64.6
iii. अन्य विनियोजन	9,02,780	6,19,515	-31.4
जिसमें से: ब्याज भुगतान	73,783	73,974	0.3

^०: इसमें नकदी और बैंकों और रिजर्व बैंक के पास जमाशेष शामिल हैं।

निधियों के स्रोत में अन्य बातों के साथ-साथ अल्पावधि रुपये उधारियां (टीआरईपीएस सहित), एमएफ/टी-बिल/जी-सेक में निवेश की बिक्री/मोचन, मुद्रा बाजार से जुटाई गई निधियाँ शामिल हैं। निधियों के विनियोजन में, अन्य बातों के साथ-साथ, अल्पावधि रुपये की उधारियों (टीआरईपीएस सहित) की चुकोती, ऋण और अग्रिमों का पुनर्भुगतान, मुद्रा बाजार में निवल विनियोजन शामिल हैं।

टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. ये आंकड़े वर्ष के दौरान प्राप्त और विनियोजन को दिखाते हैं।

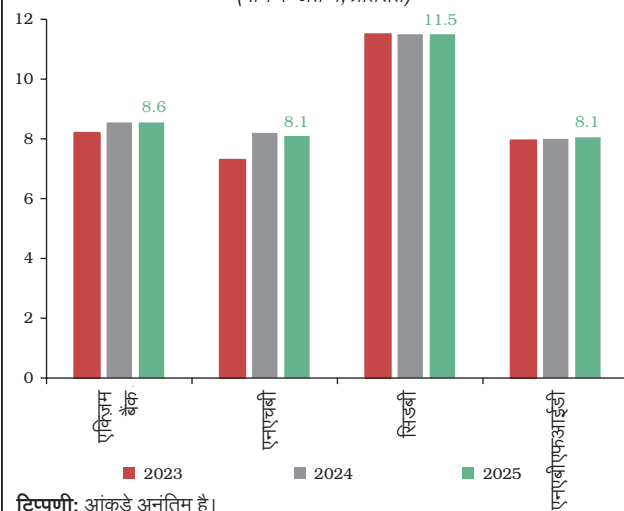
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

संस्थानों द्वारा वित्तपोषण की दीर्घकालिक प्रकृति को दर्शाती है (चार्ट VI.28बी)। एनएबीएफआईडी के लिए दीर्घकालिक प्रमुख उधार दरों (पीएलआर) में मामूली वृद्धि हुई, जबकि एनएचबी (चार्ट VI.29) के मामले में इसमें गिरावट आई।

4.5. वित्तीय प्रदर्शन

VI.52 एआईएफआई में ब्याज आय में वृद्धि जारी रही, जबकि एक्जिम बैंक, नाबार्ड और एनएचबी की गैर-ब्याज

चार्ट VI.29: चुनिंदा एआईएफआई का दीर्घावधि मूल उधार दर संरचना (मार्च के अंत में; प्रतिशत)

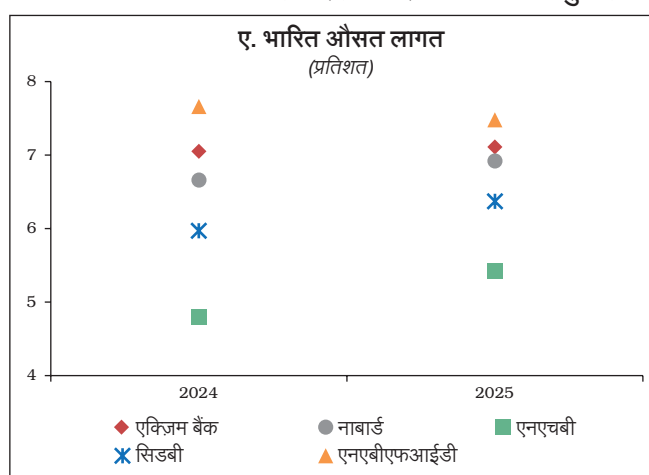


टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

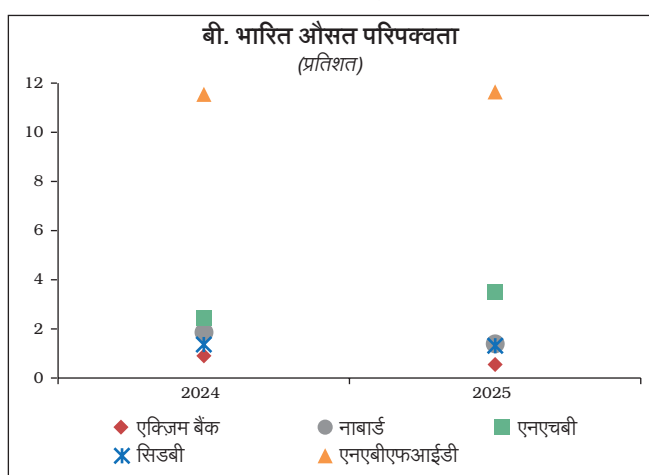
आय में 2024-25 में गिरावट दर्ज की गई। ब्याज आय में वृद्धि के साथ-साथ सभी एआईएफआई के लिए ब्याज खर्च भी बढ़ गया। समग्र स्तर पर, 2024-25 में एआईएफआई के परिचालन व्यय में मुख्य रूप से सिडबी और नाबार्ड में कमी के कारण गिरावट आई। वर्ष के दौरान परिचालन लाभ और निवल लाभ में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई (सारणी VI.18)।

चार्ट VI.28: एआईएफआई के माध्यम से जुटाए गए रुपये स्रोतों की भारत औसत लागत एवं परिपक्वता



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।



सारणी VI.18: एआईएफआई का वित्तीय प्रदर्शन

(₹ करोड़)

मद	23-2022	24-2023	25-2024	प्रतिशत में परिवर्तन	
				24-2023	25-2024
1	2	3	4	5	6
ए) आय	75,411	1,05,392	1,28,759	39.8	22.2
क) ब्याज आय	73,982	1,03,922	1,27,147	40.5	22.3
ख) ब्याजेतर आय	1,429	1,470	1,611	2.9	9.6
बी) व्यय	56,679	81,913	1,00,884	44.5	23.2
क) ब्याज व्यय	53,353	75,912	95,488	42.3	25.8
ख) परिचालन व्यय	3,326	6,001	5,396	80.5	-10.1
जिसमें से वेतन बिल	1,991	3,914	3,499	96.6	-10.6
सी) प्रावधान					
कराधान के लिए	3,230	4,631	5,808	43.4	25.4
आकस्मिकताओं के लिए	2,935	2,936	3,357	0.0	14.3
डी) लाभ					
परिचालन लाभ (पीबीटी)	17,348	21,058	25,298	21.4	20.1
निवल लाभ (पीएटी)	12,568	15,913	19,773	26.6	24.3

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

VI.53 2024-25 के दौरान, एनएबीएफआईडी को छोड़कर, सभी एआईएफआई के लिए ब्याज आय और औसत कार्यशील निधि के अनुपात में सुधार हुआ। ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए उच्च प्रारंभिक पूंजी लागत के कारण 2024-25 के दौरान प्रति कर्मचारी एनएबीएफआईडी का निवल लाभ कम हो गया (सारणी VI.19)। एनएबीएफआईडी को छोड़कर सभी एआईएफआई की लाभप्रदता में 2024-25 में सुधार हुआ जैसा कि उनके आरओए (चार्ट VI.30) से पता चलता है।

4.6. सुदृढ़ता संकेतक

VI.54 सभी एआईएफआई ने मार्च 2025 के अंत में नौ प्रतिशत के विनियामक न्यूनतम से ऊपर सीआरएआर को बनाए रखा, यह सुनिश्चित करते हुए कि संभावित वित्तीय आघातों को अवशोषित करने के लिए उनकी पूंजी की स्थिति

सारणी VI.19: एआईएफआई के चुनिंदा वित्तीय मानक

संस्था	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में						प्रति कर्मचारी निवल लाभ (₹ करोड़)	
	ब्याज आय		ब्याजेतर आय		परिचालन लाभ		निवल लाभ	
	2024	2025	2024	2025	2024	2025	2024	2025
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एक्जिम बैंक	9.0	9.4	0.3	0.3	2.3	1.9	7.1	9.1
नाबार्ड	6.1	6.6	0.01	0.01	1.1	1.2	1.9	2.4
एनएचबी	6.2	6.8	0.1	0.04	2.3	2.4	7.8	7.7
सिडबी	6.7	7.0	0.1	0.1	1.5	1.6	3.7	4.4
एनएबीएफआईडी	8.2	7.1	0.7	0.3	4.9	3.3	20.3	12.0

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

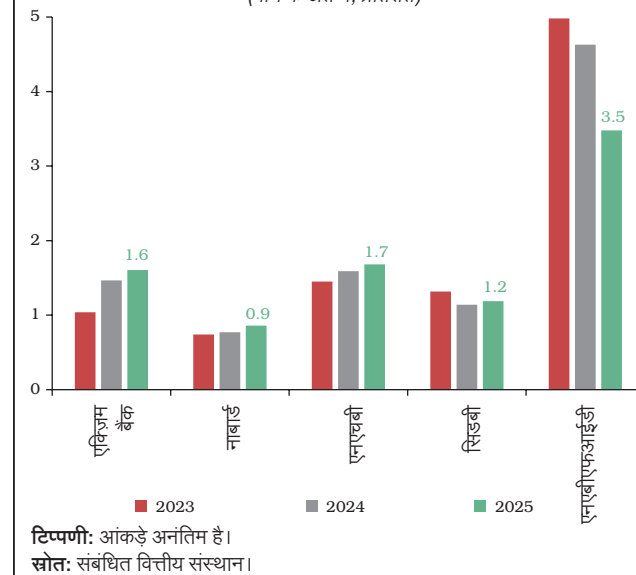
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

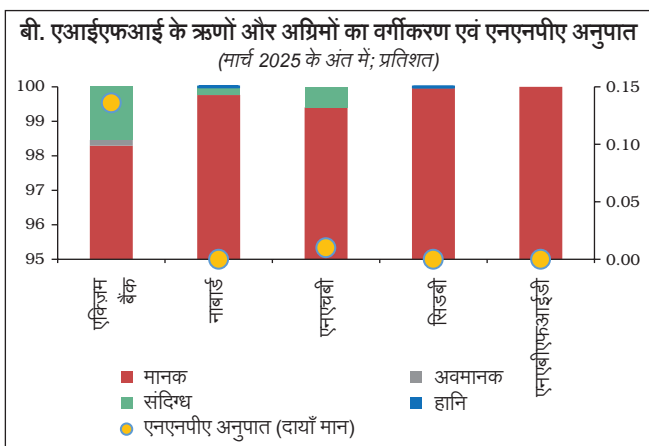
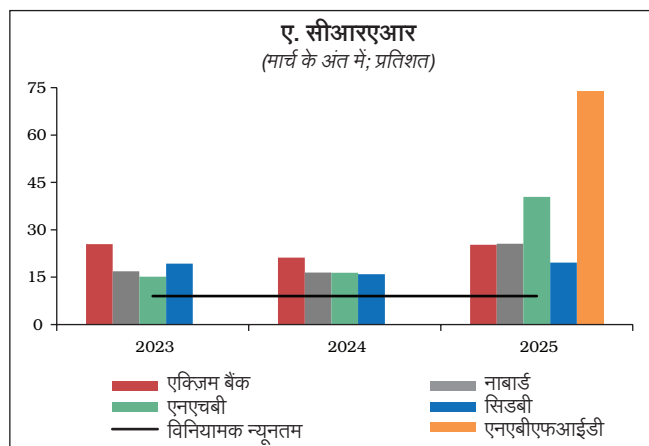
मजबूत और सुदृढ़ है (चार्ट VI.31ए)। एक्जिम बैंक को छोड़कर, जिसकी 1.5 प्रतिशत की संदिग्ध आस्ति है, एआईएफआई की 99 प्रतिशत से अधिक ऋणों और अग्रिमों को मानक के रूप में वर्गीकृत किया गया है (चार्ट VI.31बी)। एक्जिम बैंक को छोड़कर सभी एआईएफआई ने मार्च 2025 के अंत में एनएनपीए अनुपात लगभग शून्य रिपोर्ट किया।

5. प्राथमिक व्यापारी (पीडी)

VI.55 मार्च 2025 के अंत तक, 21 प्राथमिक डीलर (पीडी) थे, 14 बैंक पीडी के रूप में विभागीय स्तर पर कार्य कर रहे

चार्ट VI.30: एआईएफआई की औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (मार्च के अंत में; प्रतिशत)



चार्ट VI.31: एआईएफआई के सुदृढ़ता संकेतक


टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. 'चार्ट ए' में, विनियामक न्यूनतम नौ प्रतिशत है।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

थे और सात एकल प्राथमिक व्यापारी (एसपीडी) के रूप में [आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45 आईए के तहत एनबीएफसी के रूप में पंजीकृत] के रूप में काम कर रहे थे।

5.1 पीडी का संचालन और प्रदर्शन

VI.56 पीडी को केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों के जारी होने के हामीदारी अंकन करने और प्राथमिक नीलामी में भाग लेने के लिए अनिवार्य किया गया है। उन्हें खजाना बिल और नकदी प्रबंधन बिल (सीएमबी) की प्राथमिक नीलामी में 40 प्रतिशत का न्यूनतम सफलता अनुपात²⁶ हासिल करना भी अनिवार्य है, जिसका आकलन छमाही आधार पर किया जाता है। 2024-25 में, सभी पीडी ने अपना न्यूनतम सफलता अनुपात हासिल किया और वर्ष के दौरान जारी किए गए खजाना-बिलों की कुल मात्रा का 74.8 प्रतिशत का क्रय किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों के प्राथमिक निर्गम में आवंटन में पीडी की हिस्सेदारी में भी इसी अवधि के दौरान वृद्धि हुई (सारणी VI.20)।

VI.57 2024-25 के दौरान पीडी (जीएसटी को छोड़कर) को भुगतान किया गया हामीदारी अंकन कमीशन पिछले वर्ष के ₹41.1 करोड़ की तुलना में ₹14.5 करोड़ था। हामीदारी अंकन कमीशन की औसत दर 2024-25 में 0.1 पैसे/₹100 तक कम

हो गई, जो एक वर्ष पहले 0.3 पैसे/₹100 थी। हालांकि, 2025-26 की पहली छमाही में हामीदारी अंकन कमीशन की औसत दर बढ़कर 0.6 पैसे/₹100 हो गई (चार्ट VI.32)।

VI.58 द्वितीयक बाजार में पीडी द्वारा प्राप्त किए जाने वाले कारोबार लक्ष्य²⁷ को केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों में पिछले तीन वर्षों के समग्र एकमुश्त बाजार कारोबार के औसत के एक विशिष्ट प्रतिशत के रूप में निर्धारित किया जाता है।

सारणी VI.20: प्राथमिक बाजार में पीडी का प्रदर्शन

(₹ करोड़)

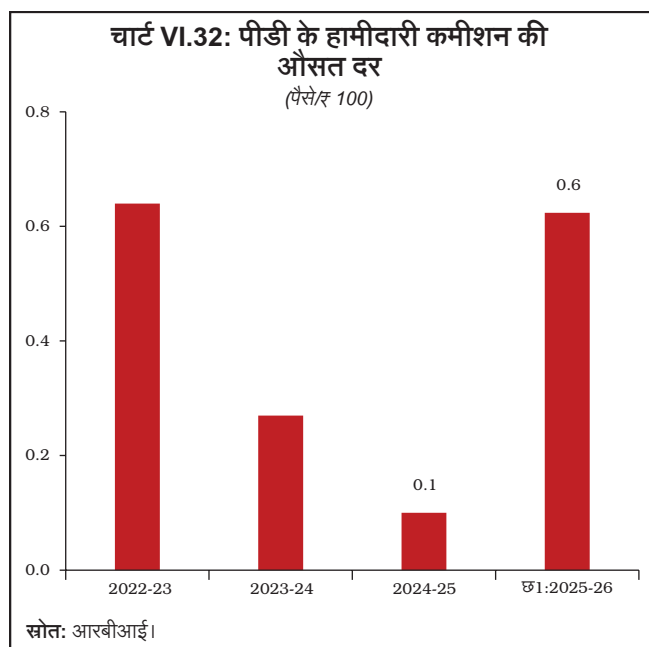
मद	2023-24	2024-25	छ1:2025-26
1	2	3	4
खजाना बिल और सीएमबी			
(ए) बोली प्रतिबद्धता	16,40,785	12,54,920	5,90,820
(बी) प्रस्तुत बोलियाँ	35,46,730	28,91,668	16,34,102
(सी) स्वीकृत बोलियाँ	9,96,891	8,19,806	3,68,577
(डी) सफलता अनुपात (सी)/(ए) (प्रतिशत)	60.8	65.3	62.4
(ई) कुल आबंटन में पीडी का हिस्सा (प्रतिशत में)	69.6	74.8	71.4
केंद्र सरकार दिनांकित प्रतिभूतियाँ			
(च) अधिसूचित राशि	15,43,000	14,11,000	8,00,000
(छ) प्रस्तुत बोलियाँ	29,79,456	30,33,221	16,94,328
(ज) स्वीकृत बोलियाँ	9,79,036	9,08,789	4,47,073
(झ) कुल आबंटन में पीडी का हिस्सा (प्रतिशत में)	63.5	64.9	56.2

टिप्पणी: कुल आबंटन में शेयर की गिनती कुल जारी रकम के आधार पर की जाती है।

स्रोत: आरबीआई।

²⁶ बोलियाँ न्यूनतम बोली प्रतिबद्धताओं के अनुपात के रूप में स्वीकार की जाती हैं।

²⁷ न्यूनतम वार्षिक द्वितीयक बाजार कारोबार।



2024-25 के दौरान, प्रत्येक पीडी के लिए लक्ष्य पिछले वर्ष के 1.5 प्रतिशत की तुलना में बढ़ाकर दो प्रतिशत कर दिया गया था। अधिकांश पीडी ने व्यक्तिगत रूप से न्यूनतम निर्धारित कारोबार अनुपात प्राप्त किया, जो द्वितीयक बाजार में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। 2025-26 के लिए लक्ष्य 2.5 प्रतिशत तय किया गया है।

5.2. एकल पीडी का प्रदर्शन

VI.59 2024-25 के दौरान केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों में एसपीडी के द्वितीयक बाजार कारोबार में वृद्धि हुई, हालांकि, कुल बाजार कारोबार के प्रतिशत के रूप में उनकी हिस्सेदारी में मामूली गिरावट आई (सारणी VI.21)।

सारणी VI.21: केंद्रीय सरकार दिनांकित प्रतिभूतियों के लिए द्वितीयक बाजार में एसपीडी का प्रदर्शन

(₹ करोड़)			
मद	2023-24	2024-25	छ1:2025-26
1	2	3	4
एसपीडी का कारोबार	43,93,097	51,51,124	29,38,197
बाजार कारोबार	2,18,03,213	2,70,23,416	1,64,67,920
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	20.1	19.1	17.8

टिप्पणियाँ: 1. एसपीडी का कारोबार, उनके खरीद और बिक्री मात्रा को एकमुश्त खंड में शामिल करके निकाला गया है।

2. बाजार कारोबार एकमुश्त खंड में कुल मात्रा का दोगुना है।

स्रोत: सीसीआईएल।

5.3. एसपीडी निधियों का स्रोत और प्रयोग

VI.60 एसपीडी के तुलन पत्र का आकार पिछले वर्ष में मजबूत वृद्धि दर्ज करने के बाद 2024-25 में धीमी गति से विस्तारित हुआ। यह मुख्य रूप से वर्तमान आस्तियों (मुख्य रूप से, जी-सेक और अन्य विपणन योग्य प्रतिभूतियों) की वृद्धि में मंदी के कारण था, जो आस्ति सूची में सबसे बड़ा हिस्सा है। एसपीडी के व्यवसाय की प्रकृति के कारण यह किसी शाखा या अवसंरचना पर आधारित नहीं होती जिससे इसकी अचल संपत्ति नगण्य है। देयता पक्ष में, जमानती ऋणों (बकाया प्रतिभूतित उधार) की वृद्धि धीमी हो गई, जबकि गैर-जमानती ऋण (बकाया अप्रतिभूतित उधार) ने गति प्राप्त की, जिससे समग्र ऋण (बकाया उधार) पोर्टफोलियो के भीतर अप्रतिभूतित ऋणों के अनुपात में वृद्धि हुई (सारणी VI.22)।

5.4. एसपीडी का वित्तीय प्रदर्शन

VI.61 एसपीडी की आय और व्यय 2024-25 में दोहरे अंकों में बढ़ गया, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर धीमी

सारणी VI.22: एसपीडी के निधि के स्रोत और प्रयोग

(₹ करोड़)					
मद	मार्च 2024 के अंत में	मार्च 2025 के अंत में	सितंबर 2025 के अंत में	प्रतिशत में परिवर्तन	
	2023-24	2024-25		2023-24	2024-25
1	2	3	4	5	6
1. पूंजी	2,368	2,512	2,512	0.0	6.1
2. आरक्षित निधि और अधिशेष	11,243	13,354	14,199	15.6	18.8
3. ऋण (ए+ बी)*	1,45,057	1,58,563	1,54,007	28.3	9.3
(ए) जमानती	1,25,026	1,31,973	1,25,915	29.7	5.6
(बी) गैर-जमानती	20,031	26,590	28,092	20.4	32.7
देयताएं/आस्तियां	1,58,667	1,74,429	1,70,717	26.8	9.9
1. अचल संपत्तियाँ	104	96	90	14.1	-8.1
2. एचटीएम निवेश (ए+बी)	5,151	5,511	5,014	-17.9	7.0
(ए) सरकारी प्रतिभूतियाँ	4,904	5,258	4,733	-19.4	7.2
(बी) अन्य	248	254	281	29.7	2.6
3. चालू आस्तियाँ	1,54,122	1,73,220	1,68,542	30.2	12.4
4. ऋण और अग्रिम	4,526	4,298	10,166	-6.5	-5.0
5. आस्थगित कर	-141	-116	14	-	-
6. अन्य	-18	-22	-3	-	-
7. वर्तमान देयताएं	5,077	8,558	13,107	16.0	68.6

* एसपीडी का बकाया उधार: - लागू नहीं को इंगित करता है।

टिप्पणियाँ: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. आस्ति = $\sum (1 \text{ से } 6) - 7$ ।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VI.23: एसपीडी का वित्तीय प्रदर्शन

(₹ करोड़)

मद	2023-24	2024-25	छ1: 2025-26	प्रतिशत में परिवर्तन	
1	2	3	4	5	6
A. आय	10,270	12,055	5,974	90.8	17.4
(ए) ब्याज और छुट	9,158	10,635	5,535	57.5	16.1
(बी) व्यापारिक लाभ	1,060	1,330	391	-	25.5
(सी) अन्य आय	52	90	48	-14.8	74.6
B. व्यय	8,422	9,602	4,468	66.0	14.0
(ए) ब्याज	7,897	9,002	4,139	69.3	14.0
(बी) अन्य*	524	601	329	28.0	14.5
सी. कर पूर्व लाभ	2,237	2,831	1,507	361.6	26.6
डी. कर रहित लाभ	1,663	2,113	1,117	385.9	27.1
ई. औसत संपत्ति	1,41,916	1,66,548	5,974		
एफ. वित्तीय अनुपात (प्रतिशत)					
(ए) औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ	1.2	1.3	1.3		
(बी) निवल मूल्य पर प्रतिलाभ	12.9	14.3	13.7		
(सी) लागत से आय अनुपात	22.1	19.7	17.9		

* व्यय में स्थापना और प्रशासनिक व्यय शामिल हैं।

– लागू नहीं को इंगित करता है।

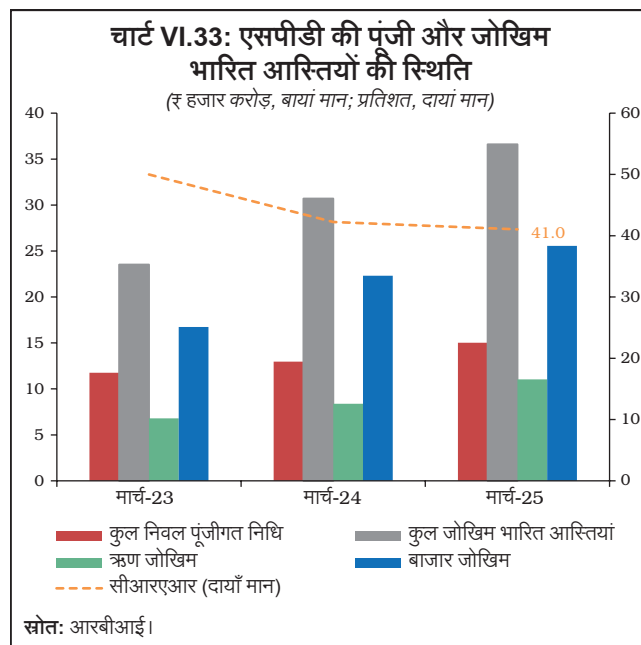
टिप्पणी: पूर्णांकित किए जाने के कारण आंकड़े कुल से मेल नहीं खाते हैं।

स्रोत: आरबीआई।

रही। ब्याज और छूट आय, एसपीडी के लिए प्रमुख राजस्व धारा, मजबूत बनी रही। लाभ में सुदृढ़ गति से वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप आस्तियों और निवल मूल्य पर प्रतिलाभ में सुधार हुआ। व्यय की तुलना में आय तेजी से बढ़ने के साथ, उसी अवधि के दौरान आय अनुपात की लागत में गिरावट आई (सारणी VI.23 और परिशिष्ट सारणी VI.9)। एसपीडी का संयुक्त सीआरएआर 40 प्रतिशत से ऊपर रहा, जो 15 प्रतिशत के निर्धारित मानदंड से बहुत अधिक था (चार्ट VI.33 और परिशिष्ट सारणी VI.10)।

6. समग्र मूल्यांकन

VI.62 मार्च 2025 के अंत में, एससीबी द्वारा दिए गए ऋण का लगभग एक चौथाई हिस्सा एनबीएफसी का था, जो अर्थव्यवस्था की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने में एनबीएफसी के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने आस्ति गुणवत्ता जैसे



विवेकपूर्ण संकेतकों में सुधार दर्ज किया और अच्छी तरह से पूंजीकृत रहे। बढ़ते शहरीकरण और आवासों की मांग ने एचएफसी द्वारा ऋण में वृद्धि को बनाए रखा है। एआईएफआई की समेकित तुलन पत्र में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। एसपीडी ने मजबूत वित्तीय स्थिति बनाए रखी और इसी अवधि के दौरान जी-सेक बाजार में हामीदारी अंकन और चलनिधि की आपूर्ति के अपने कार्य को कुशलतापूर्वक किया।

VI.63 इसके आगे, सूक्ष्म वित्त ऋणों के प्रदर्शन की बारीकी से निगरानी करने की आवश्यकता है। मौद्रिक नीति में ढील के साथ-साथ एनबीएफसी में बैंक ऋण की तरह जोखिम भार को अपनाने हेतु विनियामकीय उपाय से एनबीएफसी को अपने पहुँच को विस्तारित करने में मदद मिलेगी। एनबीएफसी को वित्त पोषण स्रोतों के अपने विविधीकरण को जारी रखना चाहिए और समावेशी विकास और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ठोस और निष्पक्ष प्रथाओं के साथ अपनी विकास आकांक्षाओं को संतुलित करना चाहिए। उन्हें ग्राहकों की शिकायतों का तत्काल निपटान के अलावे उभरती तकनीकी और साइबर चुनौतियों के बारे में सतर्क रहने की आवश्यकता है।